RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 137 ● भिलाई, बुधवार 03 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- पराली जलाना राजनीतिक मुद्दा नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पराली जलाने का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए या इसे अहंकार का मामला नहीं बनाया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि किसानों को दोषी ठहराने के बजाय उन्हें संवेदनशील बनाने और जरूरी मशीनरी से लैस करने की जरूरत है। कोर्ट ने ये भी कहा कि हममें से कोई भी हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा रह सकता। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, दिल्ली में प्रदूषण मामले को आमतौर पर अक्टूबर में सूचीबद्ध नहीं किया जा सकता है। हम इसे नियमित रूप से उठाएंगे। वायु गुणवत्ता में सुधार सिर्फ इसलिए देखा गया क्योंकि इस मद पर सुनवाई हुई थी। उन्होंने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग और केंद्र सरकार से कहा, हममें से कोई भी हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकता। हम यह नहीं मान सकते कि इस समस्या का कोई समाधान नहीं है। कोर्ट ने कहा, पराली जलाना अकेला कारण नहीं है। कोविड के समय भी पराली जलाई जा रही थी, लेकिन तब आसमान बिल्कुल नीला और साफ था।

4 दिसंबर को आसमान में दिखाई देगा साल का आखिरी सुपरमून

नई दिल्ली। खगोलीय घटनाओं में रुचि रखने वालों के लिए इस महीने चंद्रमा का खास नजारा देखने को मिलेगा। 4 दिसंबर को साल का आखिरी सुपरमून यानी कोल्ड मून आसमान में दिखाई देगा। यह चांद सर्दियों की शुरुआत का संकेत माना जाता है और क्षितिज के पास निकलते समय मून इल्यूजन की वजह से सामान्य से बड़ा दिखता है। साल खत्म होने से पहले सुपरमून देखने का यह अंतिम मौका है, जिससे खास माना जा रहा है। कोल्ड मून को सुपरमून इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यह पृथ्वी के सबसे नजदीकी बिंदु के काफी पास आता है, जिससे यह साधारण दिनों की तुलना में लगभग 14 प्रतिशत बड़ा और ज्यादा चमकीला दिखाई देता है। इसकी चमक और आकार बढ़ने के कारण लोग बिना किसी खास उपकरण के भी चांद को बेहद साफ देख सकते हैं। इस दौरान चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण थोड़ा बढ़ जाता है, जिससे समुद्र की लहरों में हल्का सा तेजी दर्ज किया जाता है।

पीएम मोदी करेंगे शुरुआत

लोकसभा में 8 दिसंबर को 'वंदे मातरम' पर चर्चा होगा...

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि लोकसभा में सोमवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ और मंगलवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक और कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज लोकसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान, सोमवार 8 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से लोकसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर और मंगलवार 9 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से चुनाव सुधारों पर चर्चा आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।' बिजनेस एडवाइजरी काउंसिल की बैठक में तय हुआ कि 8 दिसंबर को लोकसभा में 'वंदे मातरम' पर विस्तृत चर्चा होगी। इसके लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। इस ऐतिहासिक चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। माना जा रहा है कि इस बहस में राष्ट्रगीत के इतिहास, महत्व और आधुनिक भारत में उसकी भूमिका पर बात होगी। वहीं संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में कल से कार्यवाही बिना किसी व्यवधान के चलाने पर भी सहमति बन गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कमरे में हुई फ्लोर लीडर्स की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस दौरान कई दलों ने सदन की कार्यवाही को नियमित और गंभीर विषयों पर

केंद्रित रखने पर सहमति जताई। वहीं यह भी तय हुआ कि 9 दिसंबर को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी, जिसके लिए 10 घंटे का समय दिया गया है। इस पर सरकार और विपक्ष दोनों अपनी राय रखेंगे। चर्चा पूरी होने के बाद केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल 10 दिसंबर को सरकार की ओर से जवाब देंगे। संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलने वाला यह सत्र 15 बैठकों का होगा। लोकसभा में पहले दो दिन हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं। यह सत्र कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर अहम माना जा रहा है और सभी दलों के सहयोग से इसे सुचारु रूप से संचालित करने का प्रयास किया जा रहा है। एक वरिष्ठ सांसद ने समाचार एजेंसी ﱖ से बात करते हुए बताया कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विस्तृत और विशेष चर्चा होगी। यह चर्चा संसद के शीतकालीन सत्र का एक प्रमुख आकर्षण होने की उम्मीद है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता आंदोलन में वंदे मातरम की भूमिका और समकालीन भारत में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा का अवसर प्रदान करेगी। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम' पहली बार 7 नवंबर, 1875 को साहित्यिक पत्रिका 'बंगदर्शन' में प्रकाशित हुआ था।

केंद्र ने प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदलकर 'सेवा तीर्थ' किया, देश में राजभवनों का नाम लोकभवन किया जाएगा

प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदल गया है। अब पीएमओ को 'सेवा तीर्थ' के नाम से जाना जाएगा। इसके साथ ही केंद्रीय सचिवालय के नाम में भी बदलाव किया गया है। सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन कर दिया गया है। इन बदलावों के साथ-साथ केंद्र सरकार ने देश में राज भवनों का नाम बदल कर लोक भवन करने का भी एलान किया है। इसके पहले दिल्ली में राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया गया था। वहीं प्रधानमंत्री आवास अब लोक कल्याण मार्ग कहलाता है। इन बदलावों के बीच उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत देश के 8 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ने अपने राजभवनों के नाम में बदलाव किया गया है।

सरदार पटेल ने उन्हें रोका था

सरकारी पैसों से बाबरी मस्जिद बनवाना चाहते थे नेहरू-राजनाथ

अहमदाबाद/ एजेंसी

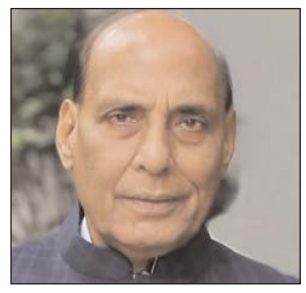

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को एक बड़ा राजनीतिक दावा किया है। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू सार्वजनिक धन से यानी सरकारी पैसों अयोध्या में बाबरी मस्जिद का निर्माण कराना चाहते थे, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस प्रस्ताव को आगे नहीं बढ़ने दिया। गुजरात के सडली गांव में आयोजित 'यूनिटी मार्च' कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने पटेल की भूमिका और उनके विचारों को विस्तार से बताया। राजनाथ सिंह ने कहा कि नेहरू ने सार्वजनिक धन से बाबरी मस्जिद बनाने का सुझाव

दिया था, लेकिन पटेल ने साफ मना कर दिया। उन्होंने आगे दावा किया कि नेहरू ने पटेल के निधन के बाद उनके स्मारक के लिए जनता द्वारा जुटाए गए धन को कुएं और सड़कों के निर्माण में खर्च करने का सुझाव दिया था, जो उनकी विरासत को दबाने की कोशिश थी। रक्षा मंत्री ने कहा कि पटेल सच्चे अर्थों में उदार और निष्पक्ष नेता थे, जिन्होंने कभी भी तुष्टिकरण की राजनीति नहीं की। कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि सोमनाथ मंदिर को पुनर्निर्माण के लिए सरकार से एक भी पैसा नहीं लिया गया था, क्योंकि पूरा धन जनता से आया था। उन्होंने कहा कि इसी तरह अयोध्या में राम मंदिर भी पूरी तरह जनता के सहयोग से बना है और यह वास्तविक धर्मनिरपेक्षता का उदाहरण है। सिंह ने दावा किया कि कांग्रेस के 1946 के अध्यक्ष चुनाव में अधिकतर प्रस्ताव पटेल के पक्ष में थे, लेकिन महात्मा गांधी के अनुरोध पर पटेल ने अपना नाम वापस ले लिया और नेहरू अध्यक्ष बने।

महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों के परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यह साफ कर दिया कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव कराने में अब और कोई रुकावट नहीं आ सकती. यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच के सामने आया. बेंच ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग पहले ही चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर चुका है और खुद सुप्रीम कोर्ट भी स्पष्ट निर्देश दे चुका है. बेंच ने कहा कि वह चुनाव की समय-सारणी को पटरी से उतारने के लिए मामले में दखल नहीं देगी. याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि कानून के तहत चुनावी क्षेत्रों के बंटवारे को मंजूरी देने का अधिकार विशेष रूप से सिर्फ राज्य चुनाव आयोग के पास है.

कर्नाटक में सीएम की कुर्सी पर सस्पेंस खत्म?

जब कांग्रेस आलाकमान कहेगा तब डीकेशिवकुमार सीएम बनेंगे

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ दूसरी नाश्ते की बैठक के बाद, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को दोहराया कि कांग्रेस नेता एकजुट हैं और मिलकर कांग्रेस सरकार चलाएँगे। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान के बीच, डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के बारे में पूछे जाने पर, सिद्धारमैया ने कहा, जब आलाकमान कहेगा। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इससे पहले उपमुख्यमंत्री डीके

शिवकुमार से उनके आवास पर मुलाकात की थी, जहाँ दोनों के बीच दूसरी नाश्ते की बैठक हुई थी। अपनी पहली मुलाकात में इडली-सांभर और उपमा के बाद, डीके शिवकुमार ने पारंपरिक नाटी चिकन और इडली की गरमागरम प्लेटों के साथ सिद्धारमैया की मेज़बानी की। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि कोई मतभेद नहीं हैं। डीके शिवकुमार और मैं एकजुट हैं। हम सरकार चला रहे हैं। भविष्य में भी हम एकजुट होकर सरकार चलाएंगे। उन्होंने कहा कि आज डीके शिवकुमार ने मुझे नाश्ते पर बुलाया। मैं आने के लिए तैयार हो गया। आज हम दोनों ने नाश्ता किया और डीके सुरेश भी मौजूद थे... नाश्ते के बाद, हमने विधानसभा सत्र पर चर्चा की। तय हुआ कि 8 दिसंबर को सांसदों की एक बैठक बुलाई जाए। हम किसानों के मुद्दों और राज्य के अन्य मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

ऋणी रहूंगा...अरविंद जी आप महान नेता

अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया

नई दिल्ली। मशहूर कोचिंग टीचर और मोटिवेशनल स्पीकर अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी (आप) से इस्तीफा दे दिया है। कुछ ही महीनों की राजनीतिक पारी के बाद, उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के माध्यम से राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की। अवध ओझा, जो अपनी प्रेरणादायक बातों और छात्रों के बीच लोकप्रियता के लिए जाने जाते हैं, ने हाल ही में राजनीति में कदम रखा था। आम आदमी पार्टी में शामिल होने के बाद, उन्होंने पार्टी के लिए प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाई थी। हालांकि, उनकी

राजनीतिक पारी अल्पकालिक रही और उन्होंने अब राजनीति से दूरी बनाने का फैसला किया है। अपने 'एक्स' पर पोस्ट में, अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी और इसके नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, मैं आम आदमी पार्टी को अलविदा कह रहा हूं। मैं हमेशा इस पार्टी का ऋणी रहूंगा।

अल फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक जावेद अहमद सिद्दीकी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने लालकिला ब्लास्ट से जुड़े मामले में अल फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक जावेद अहमद सिद्दीकी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. एडिशनल सेशंस जज शीतल चौधरी प्रधान ने सिद्दीकी को 15 दिसंबर तक की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया. आज सिद्दीकी की ईडी हिरासत खत्म हो रही थी जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 19 नवंबर को सिद्दीकी को आज तक की ईडी हिरासत में भेजा था. जावेद अहमद सिद्दीकी को ईडी ने 18 नवंबर की रात करीब एक बजे पेश किया था.

चक्रवात दित्वाह से तबाही

मुश्किल समय में आज श्रीलंका का सहारा बना भारत एनडीआरएफ ने गर्भवती महिला को दिया नया जीवन

कोलंबो। श्रीलंका इन दिनों चक्रवात 'दित्वाह' से हुई भारी तबाही से जूझ रहा है। देश में लगातार हो रही बारिश, बाढ़ और भूस्खलन ने कई इलाकों को पूरी तरह काट दिया है। ऐसी भयावह स्थिति में श्रीलंका के लिए भारत का राहत अभियान सबसे बड़ी उम्मीद बनकर उभरा है। बाढ़ और भूस्खलन से जूझते कई इलाकों में हालात बेहद गंभीर हैं, वहीं भारतीय एनडीआरएफ टीम ने पुत्तलम जिले में मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए नौ महीने की गर्भवती महिला को सुरक्षित बचाकर तत्काल चिकित्सा सहायता

पहुंचाई। बता दें कि 'चक्रवात दित्वाह' के चलते श्रीलंका में लगातार हो रही बारिश, बाढ़ और भूस्खलन ने कई इलाकों को पूरी तरह काट दिया है। कई स्थानों पर सड़कें टूट गई हैं और राहत पहुंचाना मुश्किल हो गया है। स्थिति इतनी खराब हो गई है कि 16 नवंबर से अब तक 390 लोगों की मौत हो चुकी है और 352 लोग लापता हैं। ऐसे में भारत ने एक अच्छे पड़ोसी होने का परिचय देते हुए मदद का हाथ आगे बढ़ाया और श्रीलंका की मदद के लिए बड़ा राहत अभियान चलाया है, जिसे ऑपरेशन 'सागर बंधु' नाम दिया गया है। भारतीय उच्चायोग के अनुसार, पुत्तलम जिले में एनडीआरएफ ने नौ महीने की गर्भवती महिला को सुरक्षित बाहर निकालकर तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई। इसके अलावा एनडीआरएफ टीमों ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर लगभग 800 लोगों तक खाने और जरूरी सामान की सप्लाई पहुंचाई, जो बाढ़ के कारण फंसे हुए थे। इसी राहत अभियान में भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने 5.5 टन से अधिक राहत सामग्री हवा से गिराई।

हमारी चिंताओं को विश्वासघात मानना ठीक नहीं

वो फसादी,हम जिहादी...मौलाना मदनी ने किसे लेकर दिया यह बयान,वंदे मातरम पर भी बोले

नई दिल्ली। एजेंसी

मौलाना महमूद मदनी ने एक साक्षात्कार में जिहाद के असली अर्थ स्पष्ट करने का दावा किया है। उन्होंने कहा, 'इस शब्द के वास्तविक अर्थ को लेकर कुछ भ्रम पैदा किया गया है। जिहाद के कई अर्थ हैं। सबसे बड़ा जिहाद अपने लक्ष्य के बारे में स्पष्ट दृष्टिकोण रखना और खुद का व्यक्तित्व बेहतर बनाने की दिशा में काम करना है। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना मदनी ने समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में कई विषयों पर विस्तार से बातें कीं। उन्होंने कहा, 'अगर अन्याय हो रहा है, तो उसके खिलाफ आवाज उठाना भी जिहाद है। वंदे मातरम को लेकर अपनी टिप्पणियों के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी जबरदस्ती करवाई जा रही है। जगह-जगह कहा जा रहा है कि इसे बोलें ही बोलें। ...ये तो आइडिया ऑफइंडिया नहीं है। भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम से जुड़े एक सवाल पर जमीयत प्रमुख मदनी ने कहा, 'हमारे संगठन ने 2011 और उससे

पहले भी काफी बहस की थी। अब वे (सरकार) कह रही है कि वंदे मातरम अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि इसे जबरन लागू करना भारत का विचार नहीं है। अगर जरूरी हुआ तो हम इस फैसले और विचार को अदालत में चुनौती भी देंगे। उन्होंने चुनौती देने की रणनीति को लेकर कहा, 'सबसे पहले हम इस विषय पर सभी लोगों से बात करेंगे और नागरिक समाज को एक साथ लाने की कोशिश करेंगे। संगठन और अपनी भूमिका को लेकर मदनी ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, 'जब से मैंने इस संगठन में एक सचिव के रूप में प्रवेश किया है, मैंने इसे अपने जीवन का मिशन बना लिया है कि आतंकवादियों ने जिन इस्लामिक शब्दों को गलत तरीके से समझाया है, उसे ठीक करके सबके सामने लाऊं।' उन्होंने कहा, 'हम जिहाद का मतलब आतंकवादियों से लड़ना समझते हैं। मैंने हमेशा कहा है कि वे 'फसादी' हैं, और हम 'जिहादी' हैं। उन्होंने सत्ताधारी खेमे पर भी गंभीर आरोप लगाए। मदनी ने कहा, चाहे केंद्र हो या राज्य सरकार के मंत्रालय, सबने फैसला किया है कि अगर मुसलमानों से जुड़ी कोई भी नकारात्मक बात सामने आती है, तो उसे जिहाद कहा जाएगा। हालांकि, सच्चाई ये है कि जिहाद एक पवित्र शब्द है। हम जिहाद के असली अर्थ के लिए लड़ रहे हैं... लव जिहाद, जमीन जिहाद, 'थूक जिहाद' और वोट जिहाद मुसलमानों को गाली देने के लिए नए शब्दों के रूप में गढ़े गए हैं।

पूर्व सीएम येदियुरप्पा को बड़ी राहत

पॉक्सो मामले में ट्रायल पर कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ चल रहे पोक्सो मामले में सुनवाई पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने बीएस येदियुरप्पा की याचिका पर राज्य सरकार को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने येदियुरप्पा की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम आदेश दिया, जिसमें कर्नाटक हाई कोर्ट के मामले को रद्द करने से इनकार

करने के आदेश को चुनौती दी गई है। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'नोटिस जारी करें। इस बीच, ट्रायल पर रोक रहेगी।' पीठ ने कहा कि नोटिस मुख्य रूप से मामले को हाई कोर्ट को वापस भेजने पर विचार करने के लिए जारी किया जा रहा है।

CMYK

भिलाई में त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ सप्ताह भव्य आयोजन, 7 से 15 दिसंबर तक बहेगी आध्यात्म की धारा

भिलाई। 7 से 15 दिसबंर तक रिसाली में त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ ससाह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। बेमेतरा के प्रख्यात पंडित भूपत नारायण शुक्ला के श्रीमुख से कथा का वाचन होगा। विष्णु पाठक, ललिता, शिवानी दीपक पाठक, गोपाचंद्र पाठक के सानिध्य में यह भव्य आयोजन वीआईपी नगर, फेस-2, शिव मंदिर के पास, रिसाली होगा। आयोजन की खास बात यह है कि इसमें अलग अलग राज्यों से संत व महंत अपनी उपस्थिति रहे हैं। यह पहला मौका है जब भिलाई में छत्तीसगढ़ के साथ ही विभिन्न राज्यों के संत व महंत किसी कार्यक्रम का हिस्सा बन रहे हैं। आयोजकों के अथक प्रयासों से यह संभव हो पाया है। त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ ससाह के दौरान ससाह भर संतों व महंतों का आशीष भक्तों को मिलेगा। आयोजकों ने भारत के विभिन्न धार्मिक स्थलों से आने वाले गुरूजन, संत व महंतों के आगमन का अभिनंदन किया है। साथ ही आयोजकों ने इस धार्मिक कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों के उपस्थिति की अपील भी की है।

इन संत व महंतों का हो रहा है आगमन

इस कार्यक्रम में पं. जितेन्द्र नाथ मिश्र गाजीपुर उत्तर प्रदेश, महंत अवधबिहारी दास जी सनातन धर्म परिषद् (न्यास) गोरखपुर उत्तर प्रदेश, रामज्ञानी दास महात्यागी श्रीखेड़ी आश्रम गोंदिया महाराष्ट्र, डॉ. गोविन्द रामानु?जाचार्य राष्ट्रीय धर्म प्रचारक सनातन धर्म परिषद् आंध्र प्रदेश, संत बृजराज दास राष्ट्रीय संगठन मंत्री देवलोक अजोधापुर मुजफ्फरपुर बिहार, मंहन गोविंद दास बर्फाणी धाम राजनांदगांव, संत श्याम दास राष्ट्रीय संगठन मंत्री टोपीकुंज वृंदावन मथुरा, आचार्य वेद प्रकाश प्रदेश अध्यक्ष सनातन धर्म परिषद् छत्तीसगढ़, सुरेन्द्र गौतम शास्त्री राष्ट्रीय संगठन मंत्री सनातन धर्म पुरोहित महासभा रायपुर, साध्वी प्रतीभा राष्ट्रीय संगठन मंत्री सनातन धर्म परिषद् महिला प्रकोष्ठ इन्दौर, स्वामी भगवान गिरी राष्ट्रीय संगठन मंत्री दक्षिण भारत, साध्वी डॉ. अनीता योगेश्वरी महाराज राष्ट्रीय संगठन मंत्री महिला प्रकोष्ठ, नागा सर्वेश्वर दास राष्ट्रीय संगठन मंत्री सनातन धर्म परिषद् अलवर, स्वामी सत्यानंद महाराज राष्ट्रीय संगठन प्रभारी सनातन धर्म परिषद्, ईन्द्रपाल दास राष्ट्रीय संगठन मंत्री सनातन धर्म परिषद् गौ रक्षा वाहिनी, आचार्य शशि भूषण मोहंती सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी, महंत श्याम दास नागा राष्ट्रीय संगठन मंत्री सनातन धर्म परिषद् अदिलापुर, स्वामी रमण गिरी राष्ट्रीय संगठन मंत्री सनातन धर्म परिषद् रायसेन, राघवेन्द्र दास राष्ट्रीय संगठन मंत्री गुना व महाराज छोटू पाण्डेय महाकाल आश्रम राजनांदगांव का आगमन हो रहा है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ग्राम मोटियारी में नवधा रामायण में हुए शामिल

श्रोताओं के बीच बैठकर रामायण पाठ का किया श्रवण

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ग्राम मोटियारी में आयोजित नवधा रामायण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्री राम की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने नवधा रामायण पाठ में श्रोताओं के बीच बैठ कर रामायण मंडली द्वारा प्रस्तुत भगवान श्रीराम की जीवन-गाथा स्तुति का श्रद्धाभाव से श्रवण किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में नवधा रामायण आयोजन की परंपरा बहुत प्राचीन है। रामायण मंडली के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों और जीवन-मूल्यों को गीतों के रूप में सुनाना हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, जो आज भी पूरे समर्पण के साथ निभाई जा रही है। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सदभाव, नैतिकता और संस्कारों का विकास होता है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, गणमान्य नागरिक तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निःशुल्क कोचिंग सेंटर के छात्रों ने विधायक के साथ किया बस्तर शैक्षणिक भ्रमण

बेमेतरा। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू के नेतृत्व में श्री राम एकेडमी निःशुल्क कोचिंग सेंटर के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों का तीन दिवसीय शैक्षणिक एवं प्राकृतिक भ्रमण बस्तर संभाग में आयोजित किया गया। इस भ्रमण का उददेश्य विद्यार्थियों को पुस्तकों से परे प्राकृतिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक ज्ञान का प्रत्यक्ष अनुभव कराना था। पहले दिन छात्रों ने चित्रकोट जलप्रपात (भारत का नियाग्रा) का भव्य दृश्य देखा। जिसमे बच्चों ने विधायक के साथ नौका विहार का भी लुफ्त उठाया द्य इसके बाद कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, सात धारा जलप्रपात, गणेश मंदिर, दलपत सागर, बारसूर का मामा-भांजा मंदिर एवं बत्तीसा मंदिर जैसे ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थानों का भ्रमण किया। चित्रकोट में विधायक साहू ने स्थानीय नन्हे नन्हे स्कूली छात्रों से संवाद कर उनकी पढ़ाई-लिखाई की जानकारी भी ली। तत्पश्चात सभी ने दंतेवाड़ा स्थित माँ दंतेश्वरी मंदिर पहुँचकर देर रात्रि में मातारानी दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किये। इस दौरान दंतेवाड़ा की विधायक द्वारा विधायक दीपेश साहू का छत्तीसगढ़िया गमछा पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर विधायक साहू ने कहा कि राज्य सरकार एवं प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से बस्तर में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है और क्षेत्र विकास की दिशा में तेजी से अग्रसर है। तत्पश्चात छात्रों ने तीरथगढ़ जलप्रपात, कुटुमसर गुफा, तथा टाटामारी व्यू प्वाइंट में प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव लिया। कुटुमसर गुफा की प्राकृतिक संरचना, अंधेरा, ठंडक और वैज्ञानिक महत्व को देखकर छात्र अत्यंत उत्साहित हुए। टाटामारी के ऊँचे पहाड़ों से बस्तर का दृश्य देखकर सभी ने इसे धरती का स्वर्ग जैसा बताया। विधायक दीपेश साहू ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के मानसिक, व्यवहारिक और शैक्षणिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रकृति, भूगोल और संस्कृति को प्रत्यक्ष रूप से देखने से ज्ञान और अनुभव का विस्तार होता है। आने वाले समय में भी ऐसे भ्रमण लगातार आयोजित किए जाएंगे। छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक तालियाँ बजाकर विधायक साहू का स्वागत किया और कहा कि इस भ्रमण ने उन्हें पुस्तक से बाहर की वास्तविक दुनिया को समझने का अनोखा अवसर दिया है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने पचेड़ा उप स्वास्थ्य केन्द्र का किया आकस्मिक निरीक्षण

दल्लीराजहरा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी ने 28 नवम्बर को डौण्डी विकासखण्ड के उप स्वास्थ्य केंद्र पचेड़ा का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उप स्वास्थ्य केन्द्र में औषधि वितरण केन्द्र, चिकित्सक कक्ष, लेबर रूम आदि का निरीक्षण किया। इस मौके पर श्री चंद्रवंशी ने उप स्वास्थ्य केन्द्र में रखे गए स्वास्थ्य संबंधी उपकरणों, दवाइयां आदि का भी अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को चिकित्सालय में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

जिला चिकित्सालय बेमेतरा में हुआ विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रचार प्रसार जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

बेमेतरा। जिला बेमेतरा में विश्व एड्स दिवस अवसर पर जिला चिकित्सालय बेमेतरा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर रणबीर शर्मा एवं सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर के निर्देशानुसार, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ लोकेश साहू व जिला नोडल अधिकारी डॉ चंद्रप्रकाश के मार्गदर्शन पर आयोजित किया गया, कार्यक्रम को जिला स्वास्थ्य अधिकारी सह क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ बी एल राज ने विश्व एड्स दिवस मनाने पर जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष विश्व एड्स दिवस नए थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष का थीम व्यवधान पर काबू पाना और एड्स प्रतिक्रिया को बदलना है। एड्स प्रतिक्रिया को बदलने और व्यवधान पर काबू पाने के लिए, हमें कई महत्वपूर्ण कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, हमें एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोगों को इसके बारे में शिक्षित करने की आवश्यकता है। हमें एड्स के लक्षणों, इसके प्रसार के तरीकों, और इसके उपचार के विकल्पों के बारे में जानकारी प्रदान करनी होगी। दूसरा, हमें एड्स के परीक्षण और उपचार तक पहुंच बढ़ाने के लिए काम करना होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी लोगों को एड्स के परीक्षण और उपचार तक पहुंच हो, विशेष रूप से उन लोगों को जो सबसे अधिक जोखिम में हैं। तीसरा, हमें एड्स के साथ जीने वाले लोगों के प्रति भेदभाव और कलंक को कम करने के लिए काम करना होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि एड्स के साथ जीने वाले लोगों को सम्मान और समर्थन मिले, और उन्हें अपने अधिकारों का आनंद लेने का अवसर मिले। चौथा, हमें एड्स की रोकथाम के लिए नए और प्रभावी तरीकों को विकसित करने के लिए अनुसंधान और विकास में निवेश करना होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे पास एड्स के खिलाफ लड़ने के लिए सबसे अच्छे उपकरण और रणनीतियां हैं। अंत में, हमें एड्स प्रतिक्रिया को बदलने और व्यवधान पर काबू पाने के लिए एक समन्वित और सहयोगी प्रयास करना होगा। हमें सरकारों, संगठनों, समुदायों, और व्यक्तियों के साथ मिलकर काम करना होगा ताकि हम एड्स के खिलाफ लड़ाई में सफल हो सकें। सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू ने एच आई वी, एड्स, सिफलिश होने कारण व बचाव हेतु जानकारी देते हुए एच आई वी पीड़ित लोगों की गोपनीयता बरकरार रखते हुए ए आर टी की विस्तृत जानकारी प्रदान कर उनसे किसी प्रकार से दुआ भेद न करते स्वास्थ्य सुविधा लाभ हेतु सभी को शपथ दिलाई गई, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग विशेषज्ञ डॉ दीक्षा कश्यप ने गर्भवती महिलाओं को विशेष रूप से प्रथम तिमाही में एच आई वी एड्स सिफलिश जांच अनिवार्य रूप से कराने की बात कही साथ में एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी, नोडल अधिकारी डॉ चंद्रप्रकाश ने जिला में संचालित एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उच्च जोखिम वाले लोगों बीच एन जी ओ जीवन रेखा फाउंडेशन कार्यरत है उनसे भी संपर्क कर परामर्श जांच का लाभ उठा सकते हैं, आड़ सीटीसी परामर्शदाता पुराणिक नायक ने जिला चिकित्सालय बेमेतरा स्थित एचआईवी परामर्श एवं जांच सुविधा उपलब्ध के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान किया, परामर्शदाता विनेश्वर जायसवाल ने यौन रोग परामर्श जांच ईलाज के बारे में बताया, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के दिनेश जयशवाल, गिरधर ने एचआईवी एड्स के साथ टी बी संक्रमण से जुड़ी जानकारी को लेकर जानकारी दी, जीवन रेखा फाउंडेशन के आशा चेलक ने विभिन्न हाई रिस्क समूह को लेकर एचआईवी एड्स सिफलिश होने पर जानकारी साझा किया।

जिले में एसआईआर कार्य में उल्लेखनीय उपलब्धि डिजिटाइजेशन प्रतिशत पहुंचा 97.27 प्रतिशत

बेमेतरा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन में बेमेतरा जिले में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर स्पेशल समरी रेविशन) अभियान तेजी से और प्रभावी रूप से संचालित हो रहा है। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों–साजा, बेमेतरा और नवागढ़–में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर एन्हांस्ड फॉर्म के वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार जिले का कुल डिजिटाइजेशन प्रतिशत 97.27 प्रतिशत दर्ज किया गया है, जो प्रशासनिक दक्षता और टीमवर्क का उत्कृष्ट उदाहरण है। कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देशों के अनुरूप साजा विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर कार्य अत्यंत व्यवस्थित ढंग से किया गया। क्षेत्र में कुल 2,61,998 मतदाताओं के लिए प्रिंटेड फॉर्म वितरित किए गए और इनमें से लगभग सभी का संग्रहण व डिजिटाइजेशन किया गया। विधानसभा का डिजिटाइजेशन प्रतिशत 96.29% दर्ज हुआ, जो संतोषजनक माना जा रहा है। बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों में 100% और 80% से अधिक डिजिटाइजेशन पूरा किया गया है, जिससे अभियान की गति को मजबूती मिली है।

बेमेतरा विधानसभा में 97.72% डिजिटाइजेशन

बेमेतरा विधानसभा में कुल 2,57,087 पंजीकृत मतदाताओं के लिए एसआईआर कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। डिजिटाइज्ड फॉर्म की संख्या 2,51,228 तक पहुँच गई है, जिससे यहाँ का डिजिटाइजेशन प्रतिशत 97.72% रहा। अधिकांश मतदान केंद्रों में 100% डिजिटाइजेशन पूरा होने से यह क्षेत्र जिले के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में शामिल हो गया है। बहुत कम संख्या में फॉर्म असंकलित रहे, जो अभियान की उत्कृष्ट स्थिति को दर्शाता है।

नवागढ़ विधानसभा रहा सबसे आगे 97.76%

नवागढ़ विधानसभा में कुल 2,82,671 मतदाताओं के फॉर्म वितरित व संग्रहित किए गए। यहाँ डिजिटाइज्ड फॉर्म की संख्या 2,76,342 रही और डिजिटाइजेशन प्रतिशत 97.76% दर्ज किया गया, जो जिले में सर्वोच्च है। इस क्षेत्र में अधिकाधिक मतदान केंद्रों में 100% कार्य पूरा किया गया है। कलेक्टर रणबीर शर्मा के सतत निरीक्षण और निर्देशों के कारण नवागढ़ क्षेत्र ने एसआईआर अभियान में उल्लेखनीय प्रगति की है।

जिले की समग्र उपलब्धि 97.27% डिजिटाइजेशन

जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के संयुक्त आंकड़ों के अनुसार कुल 8,01,756 मतदाताओं में से 7,79,842 फॉर्म डिजिटाइज्ड किए जा चुके हैं, जिससे जिले का कुल डिजिटाइजेशन 97.27% तक पहुँच गया है। प्रशासन के सुव्यवस्थित कार्य, बीएलओ टीमों की मेहनत और निर्वाचन शाखा के समन्वय से यह उपलब्धि संभव हो सकी है। अधिकांश मतदान केंद्रों में 100% या 80% से अधिक डिजिटाइजेशन पूर्ण होने से जिले ने प्रदेश में एक मजबूत स्थान हासिल किया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा द्वारा लगातार निगरानी, समीक्षा बैठकें और वास्तविक समय पर समस्या समाधान किए जाने के कारण एसआईआर अभियान सुचारू रूप से आगे बढ़ा। उनकी स्पष्ट कार्ययोजना और समयबद्ध रणनीति ने इस अभियान को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला प्रशासन मतदाता सूची के अद्यतन और पारदर्शी निर्वाचन व्यवस्था के लिए पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया है कि शत-प्रतिशत लक्ष्य भी शीघ्र ही प्राप्त कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना से ग्रामीण अधोसंरचना हो रही सुदृढ़ : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्राम कोठार को 96 लाख रुपए की दी बड़ी सौगात, सड़क व सामुदायिक भवन निर्माण से बदलेगा गांव का स्वरूप

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के सशक्त नेतृत्व में कवर्धा विधानसभा क्षेत्र चहुंमुखी विकास की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के तहत हो रहे सड़क निर्माण कार्यों से गांवों की कनेक्टिविटी और अधोसंरचना मजबूत हो रही है, वहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा मिल रही है। इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री शर्मा ग्राम कोठार पहुंचे, जहां उन्होंने 82.95 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली सीसी सड़क सह नाली निर्माण और 13 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया। ग्राम कोठार में 41.65 लाख एवं 41.30 लाख रुपये की लागत से दो महत्वपूर्ण सड़कों का कुल 1 किलोमीटर लंबाई में निर्माण किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में वर्षों पुरानी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। इसके साथ ही 13 लाख रुपए की लागत से 2 सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाएगा। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि ग्रामों में बेहतर सड़क, स्वच्छ नाली व्यवस्था, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्राम कोठार सहित पूरे कवर्धा विधानसभा क्षेत्र को विकसित किया जा रहा है। सड़कें मजबूत होंगी तो कृषि, व्यापार और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।सड़क किसी भी क्षेत्र के विकास की पहली जरूरत होती है। सड़क निर्माण से स्थानीय निवासियों, किसानों एवं विद्यार्थियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। यह केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि ग्राम कोठार के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने ग्राम कोठार की एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पहल को याद करते हुए कहा कि पहले आवास योजना के लिए ग्राम कोठार से ही आंदोलन शुरू किया गया था। हमारी सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट मीटिंग में इस मांग को स्वीकृति प्रदान की गई। यह कवर्धा के लोगों के संघर्ष और विश्वास की बड़ी जीत है। उन्होंने आगे कहा कि जिन लोगों का नाम आवास में नहीं आया है, उनके लिए नया सर्वे कार्य कराया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पात्र सभी लोगों को आवास दिया जाएगा। ग्राम सभा से प्रस्ताव पारित कर अंतिम सूची तैयार की जाएगी, किसी भी योग्य परिवार को वंचित नहीं किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। समयबद्ध, टिकाऊ और मजबूत सड़क निर्माण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आने वाले लंबे समय तक ग्रामीणों को इसका लाभ मिलता रहे। उन्होंने कहा कि सरकार के मार्गदर्शन और सभी के सक्रिय प्रयासों से कवर्धा विधानसभा विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ अब गाँव-गाँव तक पहुंच रहा है, जिससे क्षेत्र के नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मूलभूत आवश्यकताएँ पूरी हो रही हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि सड़क बनने के बाद ग्रामीणों विशेषकर बच्चों, महिलाओं और किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि मजबूत सड़क सुविधा से कृषि कार्यों में तेजी आएगी, विद्यार्थियों के लिए स्कूल, कॉलेज तक पहुंचना आसान होगा और आपात स्थितियों में भी आवागमन सुगम बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

खुद को सीबीआई अधिकारी व जज बताकर करोड़ों की ठगी,चार गिरफ्तार

रायपुर। राजनांदगांव पुलिस ने चार ऐसे ठगों को गिरफ्तार किया है जो खुद को सीबीआई अधिकारी व जज बताकर मनी लॉन्ड्रिंग केश में फंसाने की धमकी देकर डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करते थे। आरोपियों ने बुजुर्ग महिला और व्यापारी से 2 करोड़ की ठगी की थी। मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में थाना सिटी कोतवाली का है जहां एक बुजुर्ग महिल ने शिकायत दर्ज कराई थी। साइबर फ्रॉड द्वारा फर्जी सीबीआई अधिकारी व जज बनकर बुजुर्ग महिला को मनी लॉन्ड्रिग केश में संलिप्त होने का भय दिखाकर डिजिटल अरेस्ट कर 79 लाख 69 हजार 47 रूपये की ठगी की गई थी। दूसरे मामले में शेयर टेड्रिंग के मामलों में साइबर अपराधियों द्वारा युवा व्यापारी को फर्जी वेबसाइट लिंक भेजकर ज्यादा मुनाफा दिलाने के नाम पर 1 करोड़ 21 लाख 53 हजार 590 रूपये की ठगी की गई थी। मामलों की शिकायत के बाद सायबर सेल राजनांदगांव एवं थाना कोतवाली द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुये 4 आरोपियों को गुरूग्राम हरियाणा, मध्यप्रदेश सिहोर व इंदौर से गिरफ्तार किया गया। दोनों प्रकरणों में आरोपियों के कब्जे से बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, चेक बुक, आधार, पैन कार्ड एवं 05 नग मोबाइल फोन जब्त किया गया। मामले में पुलिस ने राधे श्याम पिता धनाराम उम्र 20 वर्ष निवासी कुश्लावा जिला जोधपुर (राजस्थान), धीरज सिंग पिता गुलाब सिंग उम्र 34 वर्ष, निवासी अंजनी नगर, काजीखेड़ी थाना पार्वती (म.प्र.),अरविन्द्र ठाकुर पिता मनोज सिंह ठाकुर उम्र 30 वर्ष निवासी मुकाती कॉलोनी बैंग ऑ बड़ोदा के पास कनौद रोड़ आष्टा जिला सिहौर थाना आस्ठा तथा डिम्पल सिंह यादव पिता रणबिर सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी भिण्डावास जिला झज्जर थाना छुछकवास को गिरफ्तार किया है।

महिला स्व-सहायता समूह की मेहनत रंग लाई, मछली पालन और सिंघाड़ा खेती से बढ़ी आमदनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में स्व-सहायता समूह उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के सहयोग से गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला के जनपद पंचायत पेंड्रा के ग्राम कोटमीकला की गोडवाना महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं मछली पालन और सिंघाड़ा की खेती के माध्यम से आय का मजबूत स्त्रोत विकसित कर 'लखपति दीदी' बनने की ओर अग्रसर हैं। समूह ने आजीविका गतिविधि के रूप में पिछले वर्ष ग्राम पंचायत से 5 हजार रुपए वार्षिक ठेके पर तालाब लिया था। केवल 2 हजार रुपए के मछली बीज का उपयोग कर महिलाओं ने एक ही सीजन में 18 हजार रुपए से अधिक की मछली बेचकर आर्थिक लाभ प्राप्त किया। इसके बाद महिलाओं ने इसी तालाब में सिंघाड़ा की खेती शुरू की, जिसने उनकी आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। अब तक महिलाएं 15 से 20 हजार रुपए मूल्य का सिंघाड़ा बेच चुकी हैं, जबकि लगभग 70 से 80 हजार रुपए का सिंघाड़ा वर्तमान में तैयार है और इसे लगातार निकालकर बेचा जा रहा है। समूह की सदस्य श्रीमती चमेली बाई ने बताया कि महिलाएं अपने खाली समय में अगरबत्ती निर्माण भी करती हैं और स्थानीय हाट-बाजारों एवं दुकानों में आपूर्ति कर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रही हैं। ग्राम कोटमीकला में बिहान के तहत स्थापित आजीविका सेवा केंद्र से कृषि, पशुपालन और अन्य आय-वर्धक गतिविधियों के लिए समूह की महिलाओं को निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन मिल रहा है। मेहनत, सामूहिक प्रयास और मिशन के सहयोग से महिलाएं आर्थिक आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिख रही हैं।

प्रशासन की सख्त मॉनिटरिंग से धान खरीदी निर्बाध गति से जारी

रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धमतरी जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य पूरी पारदर्शिता, व्यवस्थित प्रबंधन और सतत् निगरानी के साथ सुचारू रूप से जारी है। जिले की 74 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों के अंतर्गत संचालित कुल 100 धान उपार्जन केन्द्रों में 1,27,851 किसानों का 1,19,541.09 हेक्टेयर रकबा पंजीकृत किया गया है। इसमें 76,046 सीमांत, 49,493 लघु एवं 2,312 दीर्घ किसान शामिल हैं। खरीदी में तेजी, किसानों को त्वरित भुगतान दिनांक 15 नवंबर से 28 नवंबर 2025 तक 17,580 किसानों से 81,704.52 मे.टन धान की खरीदी की जा चुकी है। खरीदे गए धान का कुल मूल्य 193.86 करोड़ रुपए है, जिसका भुगतान किसानों को प्रतिदिन नियमित रूप से किया जा रहा है। उत्कृष्ट प्रबंधन—100 केन्द्रों पर नोडल अधिकारी नियुक्त धान खरीदी व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। ये अधिकारी प्रतिसप्ताह स्थल निरीक्षण कर खरीदी की व्यवस्था, पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित कर रहे हैं। अवैध भंडारण और परिवहन पर सख्त कार्रवाई कोचियों /बिचौलियों द्वारा धान के अवैध भंडारण एवं परिवहन की रोकथाम हेतु जिले में राजस्व, कृषि, खाद्य, सहकारिता एवं मंडी विभाग के अधिकारियों का उड़नदस्ता दल गठित किया गया है।

कोडकॉन' के तृतीय वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुए राज्यपाल

खानपान और जीवनशैली में प्रकृति के विरुद्ध जाने से बचें-राज्यपाल

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा है कि स्वस्थ रहने के लिए हमें प्रकृति के नियमों का ध्यान रखा जाना चाहिए। हमारा खान-पान और जीवन शैली प्रकृति के अनुरूप होने से हम बहुत सी बीमारियों से बच सकते हैं। राज्यपाल श्री रमेन डेका कल रायुपर के एक निजी होटल में आयोजित छत्तीसगढ़ ओबिसिटीज़, डायबिटिज एंड इंडोक्राइन (मोटापा, मधुमेह, अंत:स्त्रावी) सोसाइटी (कोड) के तृतीय वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि आज डायबिटीज़, मोटापा और हार्मोन संबंधी बीमारियां न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में भी एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभर रही है। भारत को दुनिया का डायबिटीज कैपिटल कहा जाने लगा है, छत्तीसगढ़ की स्थिति भी चिंता बढ़ाती है। राज्य में 15 से 19 आयु समूह में लगभग 9 से 10 प्रतिशत वयस्कों में ब्लड शुगर का स्तर सामान्य से अधिक पाया गया है और शहरी क्षेत्रों में यह प्रतिशत और तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि डायबिटीज, मोटापा और मानसिक बीमारी ये सब हमारी सिविलाइजेशन से पैदा हुई समस्या है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण- विशेषकर माइक्रो प्लास्टिक का उपयोग हमारी सेहत पर विपरीत असर डालने वाली एक बड़ी चुनौती है। श्री डेका ने कहा कि आज हम जीवन शैली और व्यवहार में पश्चिमी शैली का अनुसरण कर रहे हैं। राज्यपाल ने 600 ईसा पूर्व रचित प्राचीन ग्रंथ चरक संहिता का उल्लेख करके हुए कहा कि उस समय भी भोजन की गुणवत्ता और प्रकृति को चयापचय संबंधी रोगों का मूल माना गया था। राज्यपाल ने कहा कि हमारे ऋषि पहले ही चेतावनी दे चुके थे कि अनुचित आहार ही शरीर के संतुलन को बिगाड़कर रोगों की जड़ बनता है। आज विज्ञान भी यही सिद्ध कर रहा है। आज जो मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है, वह जंक फूड के कारण है। राज्यपाल ने चिकित्सकों की सामाजिक और नैतिक भूमिका पर विशेष बल देते हुए कहा कि चिकित्सक अपने सफेद एप्रॉन को दाग से मुक्त रखें।राज्यपाल ने चिकित्सकों को समाज का मार्गदर्शक बताया। राज्यपाल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने में निजी चिकित्सक और चिकित्सा संस्थान जो योगदान दे रहे हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने चिकित्सकों से आह्वान किया कि छत्तीसगढ़ में सिकलसेल के प्रति जनजागरूकता लाने और टीबी के उन्मूलन में योगदान दें। कार्यक्रम में प्रो. एसएन मिश्रा को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया, साथ ही क्विज प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप पात्रा उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में आयोजन समिति की प्रमुख डॉ. कल्पना दास, डॉ. संजीत जायसवाल एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। कोडकॉन सम्मेलन में देशभर के एंडोक्राइनोलॉजिस्ट, चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ शामिल हुए।

युवती से दुष्कर्म मामले मे फरार आरोपी भोलेश्वर गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

युवती से दुष्कर्म प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी को लैलूंगा पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। एसपी दिव्यांग पटेल के निर्देश, एडिशनल एसपी आकाश मरकाम तथा एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी के मार्गदर्शन में पुलिस ने बीते रात यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।गिरफ्तार आरोपी की पहचान ग्राम टटकेला निवासी भोलेश्वर सिदार उर्फ भोले (21 वर्ष) के रूप में हुई है, जो घटना के बाद से लगातार पुलिस की पकड़ से दूर भागता फिर रहा था। मामला 7 नवंबर का है, जब पीड़ित युवती ने थाना लैलूंगा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। स्नद्धक्र के अनुसार, युवती ने मुख्य आरोपी अजय अगरिया पर दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाया था।वहीं उसके तीन साथियों-किशन सिदार, महेश राम सिदार और भोलेश्वर सिदार पर अपराध में सहयोग करने का आरोप लगाया गया था। रिपोर्ट मिलते ही लैलूंगा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अगले ही दिन मुख्य आरोपी अजय अगरिया सहित किशन सिदार और महेश राम सिदार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया था। हालांकि घटना के बाद से चौथा आरोपी भोलेश्वर सिदार फरार हो गया था और लगातार गांव बदल-बदलकर छिपता रहा। आरोपी को पकड़ने के लिए थाना प्रभारी लैलूंगा उप निरीक्षक गिरधारी साव द्वारा एक विशेष मुखबिर तंत्र तैयार किया गया था, जिसके तहत कई दिनों से आरोपी की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही थी।बीती रात मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर फरार आरोपी भोलेश्वर सिदार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को आज न्यायालय में पेश किया गया, जहां उसे अपराध क्रमांक 283/2025 के तहत धारा 70(1), 138 ब्रहस में न्यायिक प्रक्रिया पूरी करते हुए रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि इस मामले में चारों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई तेजी से की जा रही है।

डिजिटल छत्तीसगढ़: जिसने दूर रह रही बेटी को दिया सबसे बड़ा सहारा

- मीलों की दूरी मिटा दी तकनीक ने—डिजिटल छत्तीसगढ़ की मानवीय मिसाल
- भुवनेश्वर में रहते हुए भी सोनम त्रिपाठी ने बिलासपुर से अपने दिवंगत पिता का डिजिटल मृत्यु प्रमाण पत्र किया प्राप्त

रायपुर। डिजिटल भारत अभियान और छत्तीसगढ़ शासन की ई-सेवाओं ने आम नागरिकों के जीवन को न सिर्फ आसान बनाया है, बल्कि समय, मेहनत और संसाधनों की बड़ी बचत भी सुनिश्चित की है। भुवनेश्वर में रहने वाली श्रीमती सोनम त्रिपाठी का अनुभव इसका जीवंत उदाहरण है। उन्होंने डिजिटल सेवाओं के सहारे अपने दिवंगत पिता का डिजिटल मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किया और अपनी बीमार माताजी के बैंक खाते को बिना किसी परेशानी के भुवनेश्वर में स्थानांतरित करवा लिया। विवाह के बाद भुवनेश्वर में बस चुकी सोनम त्रिपाठी के माता-पिता बिलासपुर में ही रहते थे। पिता का निधन होने के बाद नगरपालिका बिलासपुर ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया। लेकिन जब उनकी माताजी की तबीयत बिगड़ी और उन्हें अपने साथ भुवनेश्वर ले जाना पड़ा, तब एक नई चुनौती सामने आई कि माताजी के बैंक खाते का ट्रांसफर। बैंक ने पिता का डिजिटल मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का आग्रह किया, जिसकी जानकारी श्रीमती त्रिपाठी को पहले नहीं थी, और इसी कारण काम कुछ समय के लिए अटक गया। इस दस्तावेज़ की आवश्यकता ने परिवार को असमंजस में डाल दिया। इंटरनेट और डिजिटल छत्तीसगढ़ का मिला सहारा श्रीमती त्रिपाठी ने समाधान की तलाश शुरू की ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज शाम राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट की।

लाल आतंक के खात्मे के साथ

जल,जंगल जमीन की सुरक्षा का विश्वास दिलाए भाजपा...

- प्राकृतिक संसाधनों, ऐतिहासिक स्थलों को अडानी को देना बंद करे सरकार

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में लाल आतंक पर विराम लगे तथा बिहड़ में सक्रिय हर नक्सली मुख्य धारा में लौटे यह प्रदेश का हर नागरिक चाहता है। पूर्ववर्ती कांग्रेस शासनकाल में भी नक्सलियों को मुख्यधारा में वापस लाने एक विशेष नीति के तहत सरकार ने काम किया। भूपेश

सरकार की नीति से प्रभावित होकर कांग्रेस शासन के प्रथम वर्ष के कार्यकाल में ही सैकड़ों नक्सलियों ने आत्मसर्पण किया था। तब अबूझमाड़ के लोगों में अपनी जल, जंगल, जमीन को लेकर कोई चिंता नहीं थी। लेकिन, वर्तमान में भाजपा के साय सरकार में नक्सलियों द्वारा आत्मसमर्पण किया जा रहा है, इसके बाद लगातार सोशल मीडिया प्लेटफार्म में अबूझमाड़ियों द्वारा अपनी जल, जंगल, जमीन को लेकर जो संवेदनाएं प्रकट की जा रही है, इस पर सभी छत्तीसगढ़ियों को विचार करना होगा। जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को अब डर सताने लगा है कि उनकी प्राकृतिक पूजा स्थल, जंगलों को अब नष्ट किया जाएगा। जिस तरह हरे-भरे हसदेव अरण्य के लाखों पेड़ों की बलि अडाणी को लाभ पहुँचाने के लिए दी जा रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल में महिलाओं के लिए कैंसर जाँच शिविर

रायपुर। के सहयोग से 29.11.2025 को उप-मंडल रेलवे अस्पताल, बीएमवाई में रेलवे की सभी महिला कर्मचारियों और लाभार्थियों के लिए महिला स्वास्थ्य जाँच, कैंसर जाँच और स्वास्थ्य शिक्षा शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर श्री दयानंद सिंह (मंडल रेल प्रबंधक/रेलवे), श्रीमती शिखा सिंह (अध्यक्ष/सेक्रो/रायपुर रेलवे), डॉ. के.पी.एस. काशी पाठी (मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/रेलवे), . के माधुरी, सदस्य सेक्रो, डॉ. दुर्गेश (ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर (प्रभारी)/बमियाणा रेलवे स्टेशन), डॉ. तेजेश (सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी- बैंक ऑफ मोनिट्यल), डॉ. मौनिका (असिस्टेंट डिविजनल मेडिकल ऑफिसर रेल्वे), केन्द्री तंत्रिका तंत्र/बॉडी मास इंडेक्स और विशेष आहरण अधिकार/बॉडी मास इंडेक्स टीम के अन्य कर्मचारी। इस शिविर में डॉ. मौनिका (एडीएमओ/आर) ने लाभार्थियों को एनीमिया, इसके कारण, लक्षण और प्रबंधन के बारे में जानकारी दी, डॉ. सुमन मित्तल (कैंसर विशेषज्ञ, मित्तल अस्पताल भिलाई) ने गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर और उसकी रोकथाम के बारे में बताया।

4 आवास मित्रों और एक रोजगार सहायक की सेवाएं समाप्त हुआ....

- प्रधानमंत्री आवास योजना अपूर्ण मकानों को पूर्ण दर्शाने के मामले में कार्रवाई

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवासों की निर्माण की स्थिति की गलत रिपोर्टिंग के मामले में कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत गरियाबंद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने इस मामले में दोषी पाए गए 4 ग्राम पंचायतों के आवास मित्रों एवं एक ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। जिला प्रशासन ने इस मामले कड़ा रूख अपनाते हुए जनपद पंचायत के कई अन्य अधिकारियों सहित संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव को भी कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत गरियाबंद के निर्देशानुसार योजना अंतर्गत निर्मित आवासों की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करने के लिए जिला स्तरीय टीम को विभिन्न ग्राम पंचायतों में भेजा गया था। टीम ने ग्राम पंचायत खजूरपदर, उसरीजोर, सरईपानी, नवापारा, बजाड़ी, मुचबहाल और धोबनमाल का दौरा कर आवासों की स्थिति की विस्तृत जांच की। निरीक्षण में पाया गया कि कुछ हितग्राहियों के आवास अभी भी अपूर्ण अवस्था में थे, जबकि आवास मित्र एवं रोजगार सहायकों द्वारा अन्य व्यक्तियों के आवास का जियोटैग कर उन्हें पूर्ण दिखाया गया था।

उपमुख्यमंत्री ने ग्राम चरडोंगरी और बांझी में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

ग्रामीणों की सुनी समस्याएं,मौके पर किया त्वरित निराकरण

- सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त बनाते हुए मूलभूत सुविधाओं से समृद्ध करना-उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा
- उपमुख्यमंत्री ने गांवों के विकास के लिए की विकास कार्यों की घोषणाएं

रायपुर/ संवाददाता

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज अपने विधानसभा क्षेत्र कवर्धा के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों का दौरा किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ग्राम चरडोंगरी और बांझी पहुंचे, जहां उन्होंने चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें गंभीरतापूर्वक सुनीं। चौपाल में दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने गांव से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं, सड़क, पानी, बिजली, आवास, नाली, शौचालय, सामाजिक भवन, पुलिया एवं अन्य विकास कार्यों से संबंधित मांगें रखीं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अनेक मांगों पर संवेदनदशीलतापूर्वक विचार करते हुए तत्काल पूरा करने हेतु घोषणाएं की। इस दौरान उन्होंने ग्राम चरडोंगरी और बांझी के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने चरडोंगरी से सारंपुरङ्कदुल्लापुर तक सड़क निर्माण, चेक डैम के लिए 10 लाख रुपए, सामुदायिक भवन के लिए 10 लाख रुपए, नाली निर्माण हेतु 3 लाख रुपए, मंच निर्माण के लिए 3 लाख रुपए, ग्राम झिराना में सीसी रोड निर्माण के लिए

5.20 लाख रुपए, मेला परिसर में दो शौचालय निर्माण, बोर खनन, मेला स्थल में मंच निर्माण हेतु 5 लाख रुपए तथा सोलर लाइट लगाने की घोषणा की। उन्होंने ग्राम बांझी में 12 लाख रुपए का सामुदायिक भवन, जागेश्वर के घर से महामाया मंदिर सड़क निर्माण के लिए 3 लाख रूपए, महामाया मंदिर के समीप और गौरा चौक में बोर खनन, स्कूल में शौचालय निर्माण और मंच निर्माण के लिए 2 लाख रुपए की घोषणा की। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन सभी कार्यों की शीघ्र प्रशासकीय स्वीकृति एवं तकनीकी प्रक्रिया पूरी कराते हुए कार्य प्रारंभ कराए जाएं तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं और गांव-गांव तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त बनाते हुए मूलभूत सुविधाओं से समृद्ध करना है, जिससे हर गांव विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके। उन्होंने कहा कि कवर्धा जिले में लगातार चिकित्सा सुविधाओं में सुधार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में 4.5 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक सीटी स्कैन मशीन स्थापित की गई है।

संपादकीय

'बस, बहुत हुआ' सुप्रीम कोर्ट की सख्त चेतावनी

पिछले कुछ वर्षों में देश में कानून का दुरुपयोग एक गंभीर चिंता का विषय बनकर उभरा है, जिसने कानूनी पेशेवरों, नीति निर्माताओं और आम जनता का ध्यान आकर्षित किया है। कानून समाज में व्यवस्था बनाए रखने, अधिकारों की रक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए बनाए जाते हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग न केवल अदालतों के कीमती समय को जाया करता है, बल्कि कई बार अन्यायपूर्ण परिणाम भी दे सकता है।इससे न्याय के प्रति जनता के विश्वास को ठेस पहुंचती है और यह कानून के शासन को कमजोर कर सकता है। ऐसे मामलों से अदालतों पर मुकदमों का अनावश्यक बोझ पड़ता है, जिससे न्यायिक प्रणाली में बाधाएं उत्पन्न होती हैं। कुछ लोगों की ओर से अपने निहित स्वार्थों के लिए न्यायिक प्रणाली के दुरुपयोग की इस बढ़ती प्रवृत्ति की सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को कड़ी निंदा की। साथ ही कहा कि आपराधिक कानून व्यक्तिगत दुश्मनी निपटाने के लिए प्रतिशोधात्मक कार्रवाई का जरिया नहीं बन सकता और सभी अदालतों को ऐसी प्रवृत्तियों के प्रति सतर्क रहना होगा।किसी कानून का दुरुपयोग तब होता है, जब उसके प्रावधानों की व्यापकता और लचीलेपन का अनुचित फायदा उठाकर उसे अपना निजी हित साधने के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश की जाती है। इसके कई रूप हो सकते हैं, जिनमें झूठे आरोप, व्यर्थ की मुकदमेबाजी और कानूनी खामियों का लाभ उठाने का प्रयास भी शामिल है।इस तरह के मामलों की बढ़ती संख्या जहां वास्तविक विवादों से जुड़े मुकदमों के फैसले में देरी का कारण बनती है, वहीं इससे न्यायिक संसाधनों की बर्बादी भी होती है और न्यायिक प्रणाली की विश्वासनीयता कमजोर होती है।कई बार कानून में अस्पष्टता के कारण भी उसके दुरुपयोग की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में देश के नीति निर्माताओं का दायित्व है कि वे सभी पहलुओं पर व्यापक चर्चा और गहन मंथन के बाद कानून का अंतिम प्रारूप तैयार कर उसे लागू करें, ताकि उसमें ऐसी कोई खामी न रहे, जिसका आगे चलकर दुरुपयोग किया जा सके।समाज में न्याय की भावना और कानून के शासन के प्रति सम्मान को बनाए रखना बेहद जरूरी है। इसमें दोराय नहीं है कि जब कानून का दुरुपयोग होता है, तो न्याय व्यवस्था में जनता का विश्वास कम हो जाता है। लोग कानूनी प्रक्रिया की निष्पक्षता और प्रभावशीलता को लेकर सशंकित हो जाते हैं।

माओवादी विद्रोह अपने आखिरी गढ़ दंडकारण्य के आदिवासी इलाकों में भी खत्म हो रहा है। माओवादी नेतृत्व के एक बड़े हिस्से ने हाल ही में मीडिया में बयान जारी करके लोगों से माफी मांगी है और कहा है कि क्रांति की प्रक्रिया में माओवादी नेतृत्व ने कई रणनीतिक गलतियां कीं। निस्संदेह, दंडकारण्य में करीब आधी सदी से चल रही माओवादी कार्रवाई और आदिवासियों की 'भलाई' के कामों का रिपोर्ट कार्ड काफी खराब है। यह माओवादियों द्वारा अपनी कुत्सित मंशा के लिए आदिवासियों की उम्मीदों से फायदा उठाने जैसा रहा।

आदिवासियों को अब जवाब दें माओवादी

(शशांक रंजन)

दरअसल, आंध्र प्रदेश में सफलता न मिल पाने के बाद, माओवादी काडर 1980 के दशक की शुरुआत में दंडकारण्य में घुसे थे। उनका मकसद एक सुरक्षित ठिकाना हासिल करना था, न कि अपने राजनीतिक संघर्ष में स्थानीय आदिवासी आबादी को शामिल करना। चूंकि आंध्र प्रदेश में हालात फिर कभी उनके अनुकूल नहीं हुए, इसलिए उन्होंने दंडकारण्य में ही रहने का मन बनाया। इसके बाद उन्होंने आदिवासियों से जुड़े मुद्दों को उठाना शुरू किया, क्योंकि वे गुजारे के लिए स्थानीय आदिवासी समाज का समर्थन चाहते थे।

उन्होंने पहला मुद्दा तेंदू पत्ता की मजदूरी का उठाया। तेंदू पेड़ के पत्ते, जिसका इस्तेमाल बीड़ी बनाने में होता है, जमा करने के लिए ठेकेदार आदिवासियों को मजदूरी देते हैं। लिहाजा, माओवादी अच्छी मजदूरी के लिए मोल-भाव करने लगे। यह उनके हित में था, क्योंकि स्थानीय आदिवासियों की रोजी-रोटी इसी तेंदू पत्ते पर निर्भर थी। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने तेंदू ठेकेदारों से जबरन वसूली भी शुरू कर दी, जिसका नकारात्मक असर यह हुआ कि आदिवासियों की कमाई कम हो गई। माओवादियों ने इलाके में काम कर रही खनन कंपनियों से भी आहिस्ता-आहिस्ता वसूली शुरू कर दी। इस दौरान, वह अपना ज्यादातर समय संगठन चलाने, हमले करने और काडर तैयार करने में लगाते रहे, जिसके कारण आदिवासियों के लिए लड़ने के अपने मूल वायदे से वे भटक गए।

माओवादी कई तरह से उगाही करते थे। वे सुरक्षा देने के नाम पर, वसूली करके, फिरौती मांगकर और दूसरे कामों से अच्छी-खासी कमाई करने लगे। कहा जाता है कि इस आमदनी का कमोबेश आधा हिस्सा लड़ाकों को तैयार करने और उनकी क्षमता बढ़ाने में खर्च किया जाता था। जाहिर है, ये काम विकास के अन्य एजेंडे की कीमत पर किए जाते रहे। अब क्रांति के नाम पर प्राथमिकताएं तय की जाने लगी थीं।

माओवादी भारत में लोकतांत्रिक राजनीति को खत्म करने की सोच रखते हैं। वे लोकतांत्रिक कामों को नकारने और कमजोर करने का काम करते हैं, जबकि इनसे हाशिये के लोगों को ताकत ही मिलती है। आदिवासी समाज को चुनावों का बहिष्कार करने के लिए उकसाकर माओवादी आम लोगों को अपनी ताकत का इस्तेमाल करने और इसे दिखाने के एक बड़े मौके से वंचित करते रहे। इसी तरह, वे आमतौर पर स्थानीय चुनावों और ग्राम संस्थाओं (ग्राम सभा आदि) के कामों को भी नियंत्रित करने में जुट गए, ताकि उनकी अपनी जरूरतों की पूर्ति हो सके। बेशक, ग्राम सभा को ताकतवर बनाने के मामले में सरकार का रिकॉर्ड भी बहुत अच्छा नहीं रहा है, लेकिन माओवादी भी अपने कामों को लेकर पारदर्शी नहीं रहे। अलबत्ता, वे अपने नियंत्रण वाले इलाकों में कंगारू कोर्ट के जरिये राज करना पसंद करते थे।

आदिवासी माओवादी संगठनों की रीढ़ रहे हैं। भले ही इन संगठनों के नेतृत्व में अमूमन गैर-आदिवासी और पढ़े-लिखे पृष्ठभूमि के लोग रहे, लेकिन आम लड़ाकों में ज्यादातर आदिवासी ही हैं। आज भी यहां के संगठन में नीतियां बनाने वाले पदों पर आंध्र प्रदेश के गैर-आदिवासी काबिज रहे हैं, जबकि काडर की जिम्मेदारी आदिवासियों के कंधों पर रही है। नेताओं का यही खास वर्ग आजकल खबरों में है, फिर चाहे वह बसवराजू हो, वेणुगोपाल राव हो, रूपेश, भास्कर, देवूजी या चंद्रन्ना हों। हां, हाल ही में जिस माओवादी नेता मादवी हिडमा को मार गिराया गया है, वह बेशक आदिवासी था, लेकिन उसे अपवाद ही मानना चाहिए। इन माओवादी नेताओं के पास आदिवासियों का एक बड़ा समूह था और वे इस बात को लेकर दृढ़ थे कि सरकार के खिलाफ लड़ाई आखिरी आदिवासी तक जारी रहेगी।

दुर्भाग्य से, इस संघर्ष ने आदिवासी समाज को ही हथियार बना दिया। अब डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) या बस्तरिया बटालियन का हिस्सा बनकर आदिवासी अपने उन्हीं भाइयों को मार रहे हैं, जो माओवादियों के साथ हैं। इस सबमें कोई भी आदिवासियों से यह जानने की कोशिश नहीं कर रहा कि आखिर वे क्या सोचते हैं? जाहिर है, आदिवासियों के लिए मध्यमार्ग की स्थिति लगातार सिकुड़ रही है। वे या तो माओवादियों के खेमे में डाल दिए गए हैं या फिर सरकार के खेमे में, जबकि उनका इस अतिवादी विचारधारा से कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें तो अपने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए इस विद्रोह में शामिल होने का लालच दिया गया था, जिसका खामियाजा उन्होंने तकलीफें सहकर, घर-बार छोड़कर और विकास-कार्यों से दूर रहकर भुगता है।

मीडिया खबरों के मुताबिक, पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ में माओवादियों और सुरक्षा बलों के संघर्ष के 3,404 मामले सामने आए हैं, जिनमें 1,541 माओवादियों, 1,315 सुरक्षा बल के जवानों और 1,817 आम नागरिकों की जान गई है। इन आम नागरिकों में ज्यादातर आदिवासी ही हैं। यह आंकड़ा आदिवासियों के उजड़े हुए परिवारों और जले हुए गांवों की कहानी बयां करता है। हालांकि, तबाही की इस घिनौनी तस्वीर के पीछे शासन तंत्र की गलती को नजरंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में माओवादी सोच के औचित्य की भी संजीदगी से पड़ताल आवश्यक है। क्यों नहीं माओवादियों को आदिवासी समाज की इस बर्बादी के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, जिनके कारण उसने न सिर्फ अपने लोगों को खोया है, बल्कि इतना लंबा वक्त भी गंवाया है? उनके साथ यह सब क्रांति के भ्रम को बनाए रखने के लिए किया गया। इतिहास माओवादियों को कैसे याद रखेगा, इसका ठीक-ठीक जवाब दे पाना तो फिलहाल जल्दबाजी होगी, मगर यह भी एक सच्चाई है कि अगर वे नहीं होते, तो बस्तर और दंडकारण्य के अंदरूनी इलाकों पर इस कदर ध्यान भी नहीं जाता।

(लेखक पूर्व कर्नल व आंतरिक सुरक्षा विशेषज्ञ है) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

जलवायु संरक्षण की जंग से जुड़ने लगे ज्यादातर देश

(सुमंत सिन्हा)

ब्राजील में शनिवार को संपन्न कॉप-30 इसको लेकर नहीं था कि जलवायु संकट से निपटने के लिए क्या किया जाए? यह तो पहले से सबको पता है। अलबत्ता, यह सम्मेलन इस बारे में था कि उन उपायों को कैसे अमल में लाया जाए? ऐसे में, जलवायु संबंधी कार्रवाइयों से जुड़ी छह सच्चाइयां हमें जाननी चाहिए।

पहली, पेरिस समझौते से अमेरिका के बाहर निकलने के बाद भी काम हो रहे हैं। गौरतलब है कि सत्ता संभालते ही राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिका को ऐतिहासिक जलवायु समझौते से बाहर निकाल ले आए और जलवायु संरक्षण पर कोई भी कदम उठाने से बचते रहे। फिर भी, जलवायु संबंधी कार्रवाईयां चलती रहीं। जलवायु जैसे वैश्विक मुद्दों पर इस तरह की निरंतरता महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह निवेश बढ़ाने में कारगर साबित होती है।

दूसरी, स्वच्छ ऊर्जा की तरफ बदलाव धीमा जरूर है, लेकिन लंबे समय से नजरंदाज की गई अन्य जलवायु प्राथमिकताओं पर ध्यान दिया जा रहा है। मसलन, 115 देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अपनी योजनाओं और प्रतिबद्धताओं का खाका, यानी एनडीसी जमा किया है। अक्षय ऊर्जा के इस्तेमाल को लेकर भी प्रतिबद्धताएं बढ़ी हैं। हम 2030 तक अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमता को दोगुना करने की ओर अग्रसर हैं। वैसे, एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि वनों व महासागरों के संरक्षण के लिए छह अरब डॉलर की प्रतिबद्धता जताई गई है। यह उल्लेखनीय है, क्योंकि ये प्राकृतिक संसाधन हमारे उत्सर्जन का आधा हिस्सा सोख लेते हैं।

तीसरी, जीवाश्म ईंधन का चरणबद्ध खात्मा अब भी मुश्किल में है। इस मुद्दे पर तमाम देशों को सहमत करना उतना ही कठिन है, जितना इस काम को संपन्न करना। कॉप-28 में बेशक इस मुद्दे को उठाया गया था, लेकिन कॉप-30 में इसको लेकर रोडमैप नहीं बन सका। जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम करने के साथ ही हमें वैकल्पिक संसाधनों का इस्तेमाल बढ़ाना होगा, साथ ही उत्पादन में जो कमी आएगी, उसका भी निदान खोजना होगा। यह जटिल काम है और प्रतिस्पर्द्धी हितों के बीच अभूतपूर्व सहयोग की मांग करती है। हालांकि, इसे तुरंत शुरू करने की दरकार भी है।

चौथी, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अनुकूल कदम उठाने पर बात तो हुई, लेकिन बहुत कम। विकसित देशों ने विकासशील देशों को जलवायु संकट के प्रभावों से निपटने और बुनियादी ढांचे आदि के लिए 2035 तक तीन गुना रकम देने का वायदा किया है। यह सुनने में तो अच्छा लगता है, पर देर से उठाया गया अस्पष्ट और अपर्याप्त कदम है। बाढ़ और सूखा झेल रहे देशों के लिए यह अस्तित्व का सवाल है।

पांचवीं, भारत का प्रभाव बढ़ रहा है। अक्षय ऊर्जा को साकार करने में जिस क्षमता का परिचय भारत ने दिया है, उससे उसने उचित ही विकसित देशों की कमजोर इच्छाशक्ति पर कड़ा रुख अपनाया। भारत ने विकासशील देशों के लिए और अधिक आर्थिक मदद की मांग भी की। यह बेहद अहम रुख है, क्योंकि अगले पांच वर्षों में दुनिया को उत्सर्जन में और ज्यादा कमी करने व वित्त-पोषण की जरूरत है, न कि यथास्थिति से आत्मसंतुष्ट होने की। यह काम जारी रहेगा। डर यह है कि कॉप ने व्यापार पर चर्चा के लिए दो साल की प्रक्रिया पर सहमति जताई है और यूरोपीय संघ का कार्बन टैरिफ 2026 में हमारे निर्यातकों पर असर डालेगा, जिससे प्रतिस्पर्द्धा कमजोर होगी। इस मुद्दे का समाधान अब यूरोपीय संघ के साथ चल रहे व्यापार-समझौता संबंधी चर्चाओं में ढूंढ़ना होगा।

छठी, भू-राजनीति हावी है, लेकिन व्यापार जगत के हितों को बातचीत की मेज पर जगह मिलनी ही चाहिए। चूंकि अमेरिका बाहर निकल गया है, इसलिए कॉप-30 में वैश्विक ताकत बनने का जोड़-तोड़ खूब चला। उभरते गठबंधन और व्यापार, महत्वपूर्ण खनिज, जलवायु वित्त जैसे जटिल मुद्दों को तब तक के लिए टाल दिया गया है, जब तक कि व्यापक व्यापार समझौते नहीं हो जाते।

साफ है, कॉप-30 ने इस बंटी हुई दुनिया में जलवायु परिवर्तन पर बातचीत को जीवित रखा है। 190 देशों ने दिखाया है कि वे अब भी जलवायु संकट की लड़ाई में हैं, बेशक अभी जीत नहीं मिल रही है, लेकिन वे हार भी नहीं मान रहे। मौजूदा हालात में यही जीत है। (लेखक संस्थापक और सीईओ, रीन्यू है)(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आइआइटी दिल्ली ने बनाया स्मार्ट मच्छर रोधी डिटर्जेंट: डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया से बचाव संभव

डॉ विजय गर्ग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक अभिनव मच्छर रोधी डिटर्जेंट विकसित किया है। यह स्मार्ट डिटर्जेंट कपड़ों की धुलाई के साथ-साथ उन्हें मच्छरों को दूर रखने वाले गुणों से भी युक्त करता है, जो डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्य विकास और शोध टीम

यह अनुसंधान आईआईटी दिल्ली के वस्त्र एवं फाइबर इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर जावेद नबीबक्शा शेख के नेतृत्व में किया गया है। टीम ने पारंपरिक मच्छर नियंत्रण उत्पादों–जैसे कॉइल, लोशन, स्प्रे–की सीमाओं को देखते हुए एक ऐसा समाधान विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया जो अधिक सुसंगत और व्यापक सुरक्षा प्रदान करे।

डिटर्जेंट की खासियतें: दो स्वरूपों में उपलब्धताः यह डिटर्जेंट पाउडर और लिक्विड दोनों रूपों में विकसित किया गया है। धुलाई गुणवत्ता पर कोई समझौता नहींः यह सामान्य डिटर्जेंट की तरह ही कपड़ों की सफाई और धुलाई के गुणों को बनाए रखता है। लगातार सुरक्षाः चूंकि कपड़े बार-बार धोए जाते हैं, इसलिए हर धुलाई के बाद मच्छर रोधी गुण पुनः उत्पन्न हो जाते हैं, जिससे इसकी प्रभावशीलता और टिकाऊपन सुनिश्चित होती है।

किफायती समाधान : टीम का उद्देश्य इसे एक किफायती और सुलभ उत्पाद बनाना है, जिसका उपयोग हर घर, विशेषकर निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोग आसानी से कर सकें।

यह कैसे काम करता है?

कपड़ों को अप्रिय बनानाः डिटर्जेंट के सक्रिय घटक धुलाई प्रक्रिया के दौरान कपड़ों के रेशों (फाइबर) के साथ क्रिया करते हैं और उनसे जुड़ जाते हैं।

मच्छर विकर्षण : ये घटक कपड़ों की सतह को मच्छरों के लिए कम आकर्षक बना देते हैं। प्रोफेसर शेख के अनुसार, सक्रिय घटक मच्छरों के सूंघने और स्वाद लेने वाले सेंसर पर काम करते हैं, जिससे मच्छर कपड़ों पर बैठना (लैंडिंग) पसंद नहीं करते।

काटने से बचाव : चूंकि मच्छर का डंक (प्रोबोसिस) कपड़े के माध्यम से त्वचा तक पहुंच सकता है, इसलिए उन्हें कपड़े पर उतरने से ही रोकना आवश्यक है। यह डिटर्जेंट मच्छरों को दूर रखकर काटने की संभावना को कम करता है।

प्रभावशीलता का परीक्षण

उत्पाद की प्रभावशीलता का परीक्षण एक वाणिज्यिक प्रयोगशाला में हैंड-इन-केज विधि का उपयोग करके किया गया है। इस परीक्षण में, स्वयंसेवकों ने अपने हाथों को डिटर्जेंट से धोए गए कपड़े से ढंककर भूखे मच्छरों से भरे एक बक्से में डाला। परिणामों से पता चला कि इन कपड़ों पर मच्छरों के बैठने की संख्या में काफी कमी आई, जो इस बात का प्रमाण है कि डिटर्जेंट मच्छरों को दूर रखने में प्रभावी है।

वर्तमान स्थिति और आगे की योजना

शोध टीम ने इस नई तकनीक के लिए पेटेंट आवेदन दाखिल कर दिया है। यह उत्पाद वर्तमान में तकनीकी हस्तांतरण के चरण में है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो यह मच्छर रोधी डिटर्जेंट अगले कुछ महीनों में बाजार में व्यावसायीकरण के लिए उपलब्ध हो सकता है। यह अभिनव विकास मच्छर जनित बीमारियों के खिलाफ लड़ाई में एक गेम चेंजर साबित हो सकता है, जो लोगों को उनके रोजमर्रा के कपड़ों के माध्यम से ही एक आसान और प्रभावी सुरक्षा कवच प्रदान करेगा। (सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब)

अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव

लौकिक और अलौकिक लक्ष्य प्राप्ति का अद्भुत संदेश -हर प्रश्न का उत्तर और हर समस्या का समाधान

रमेश शर्मा

अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव आरंभ हो गया है। इस वर्ष एक दिसम्बर को दुनियाँ के चालीस देशों में गीता जयंति का मुख्य आयोजन होगा। श्रीमद्भगवत गीता कालजयी है और इतना व्यापक भी कि आधुनिक विज्ञान से जीवन की हर समस्या के समाधान सूत्र हैं।

श्रीमद्भगवद्गीता भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच का संवाद है जो महाभारत युद्ध आरंभ होने के कुछ क्षण पहले हुआ था। वह स्थल कुरुक्षेत्र था। कुरुक्षेत्र अब हरियाणा प्रदेश में है। इस संवाद की तिथि मार्गशीर्ष माह शुक्लपक्ष की एकादशी थी। इस वर्ष यह तिथि 30 नवंबर को रात्रि 9 बजकर 29 मिनट से आरंभ हो रही है और एक दिसंबर को शाम सात बजकर एक मिनिट तक रहेगी। इसलिए गीता जयंती एक दिसंबर को है। इस वर्ष गीता जयंति महोत्सव दुनियाँ के चालीस देशों में होगा। इसका समन्वय भारत सरकार का विदेश विभाग कर रहा है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इसवर्ष श्रीमद्भगवतगीता की 5154 वीं जयंति है। यद्यपि तिथि को लेकर कुछ विद्वानों में मतभेद हैं। लेकिन फिर भी समुद्र में द्वारिका की खोज और कुरुक्षेत्र के उत्खनन में प्रमाणों से महाभारत की घटना ईसा से लगभग 3100 वर्ष पूर्व माना गया है। इसके अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवतगीता का संदेश कम सेकम पाँच हजार वर्ष पहले तो दिया था। श्रीमद्भगवत गीता में कुल सात सौ श्लोक हैं। इनमें इनमें राजा धृतराष्ट्र द्वारा पूछा गया प्रश्न एक श्लोक, संजय द्वारा उवाच के बयालीस श्लोक, अर्जुन उवाच चौरासी श्लोक तथा पाँच सौ तिहत्तर श्लोक भगवान श्रीकृष्ण उवाच हैं। इन सात श्लोकों को उनके संदर्भ के अनुरूप अठारह अध्याय में विभाजित किया गया है। हर अध्याय का विषय विशिष्ट है। जिन्हें ÷योग÷ नाम दिया गया है। अर्जुन के मन में उत्पन्न विषाद से प्रश्न उपजे थे। इसलिये पहले अध्याय को विषाद योग नाम दिया गया है। इसके बाद क्रमशः साङ्ख्ययोग, कर्मयोग, कर्म ज्ञानयोग, कर्म संन्यासियोग, आत्मसंयमयोग अर्थात ध्यानयोग, ज्ञान विज्ञानयोग, अक्षर ब्रह्मयोग, राजगुह्ययोग, विभूतियोग, विश्वरूप विराट योग, भक्तियोग, क्षेत्र क्षेत्रज्ञ विभागयोग, गुणत्रय विभागयोग, पुरुषोत्तमयोग, दैवासुर समद्विभागयोग, श्रद्धात्रय विभागयोग और मोक्ष संन्यासयोग के अंतर्गत प्रत्येक विन्दु के विश्लेषण सूत्र हैं।

श्रीमद्भगवतगीता कालजयी ग्रंथ है। इसमें हर जिज्ञासा के समाधान सूत्र हैं। समय के साथ चुनौतियाँ बदलती हैं, समस्याओं का स्वरूप बदलता है। जिनका समाधान भी बदलते समय के अनुरूप होना चाहिए। तभी जीवन सार्थक होगा। जीवन की सार्थकता और सफलता व्यक्तित्व निर्माण में है। व्यक्ति ही परिवार, समाज, राष्ट्र और संसार की नींव में होता है। यदि व्यक्ति के चरित्र में आदर्श है, सत्य है, पराक्रम है, पुरुषार्थ है, प्रज्ञा है, दृढ़ता है, समयानुरूप चिंतन धारा है, संकल्पशीलता है तो वह सदैव लोक कल्याण के मार्ग पर चलेगा। भगवान श्रीकृष्ण ने इन सभी गुणों के साथ आदर्श जीवनशैली पर जोर दिया है। यदि व्यक्ति का चिंतन संकुचित नहीं है, उसका चरित्र आदर्श है, तो वयक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति कोई रोक नहीं पायेगा। भगवान श्रीकृष्ण ने इन गुणों के साथ व्यक्तित्व निर्माण के लिये आचरण पर भी जोर दिया है। व्यक्ति का आचरण ऐसा होना चाहिए कि वह स्वयं भी प्रतिष्ठित हो और अन्य लोग भी उसका अनुसरण करें। यह संतुलित जीवन शैली और विचारों के समन्वय, राग द्वेष से परे होना चाहिए। विपरीत परिस्थतियों में भी संतुलित रहे।

श्रीमद्भगवद्गीता की एक और विशेषता है। इसमें यदि दृश्यमान शरीर और संसार की समृद्धि के सूत्र हैं तो अदृष्यमान गुणों से लेकर अंतरिक्ष की अनंत ऊर्जा से समन्वय बनाने के सूत्र भी हैं। जिन्हें हम मन की उड़ान, विवेक, चित्त, वृत्ति, स्वभाव से लेकर धरती, आकाश, जल, अग्नि और वायु की केन्द्रीभूत चेतना अर्थात ऊर्जा तक के समन्वय के सूत्र हैं।

श्रीमद्भगवद्गीता समस्या से पलायन का नहीं रुककर जूझने का संदेश देती है। अर्जुन तो संन्यास लेना चाहता था, भगवत् भक्ति के लिये युद्धक्षेत्र से जाना चाहता था। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने रोका। समस्या देखकर घबराना अथवा पलायन करने से समाधान नहीं होता। समस्या से भागना जीवन की अवनति है। इसलिये संकल्प के साथ समस्या का निराकरण करना आवश्यक है। लेकिन उसके लिये पहले समस्या को समझना भी आवश्यक है। पहले समझना फिर पूरी एकाग्रता के साथ समाधान केलिये आगे बढ़ने में ही जीवन ही उनन्ति है। भगवान श्रीकृष्ण के प्रत्येक वाक्य में यही संदेश है। इसमें वर्णित समाधान के सूत्र कालचक्र से परे हैं। सामान्य जीवन के कर्म-कर्तव्य से लेकर परिश्रम, पुरुषार्थ, प्रकृति के रहस्य, आत्मा का अस्तित्व, ब्रह्म के द्वैत और अद्वैत स्वरूप तक सभी जिज्ञासाओं का समाधान श्रीमद्भगवत गीता में है। लक्ष्य प्राप्ति और समस्या निदान केलिये इसमें वर्णित सूत्र प्रत्येक कालखंड में सामयिक हैं। संसार के अधिकांश देशों ने गीता का अपनी भाषा में अनुवाद किया है। अंग्रेजी, जर्मन और फ्रेंच ही नहीं, अरबी, फारसी और उर्दू भाषा में भी गीता के अनुवाद हुये हैं । अमेरिका और ब्रिटेन के कुछ विश्वविद्यालयों मे गीता पाठ्यक्रम में शामिल है। भारत में भी गीता के जितने भाष्य तैयार हुये उतने किसी अन्य ग्रंथ के नहीं। ये भाष्य हर कालखंड में प्रत्येक विचार समूह के मनीषियों ने किये। उनमें आध्यात्मिक, साहित्यक, समाज सुधारक, राजनेता आदि सभी वर्ग समूह के सुधिजन हैं। सबका अपना दृष्टिकोण है। पूज्य आदि शंकराचार्यजी के भाष्य में निर्गुण और अद्वैत के दर्शन होते हैं तो रामानुजाचार्य जी के भाष्य में सगुन भक्ति के। ज्ञान और कर्म को समझाने वाला ओशो का भाष्य है। राजनेताओं में गाँधीजी और लोकमान्य तिलक और समाज सुधारक बिनोबाजी ने भी गीता के ज्ञान को अपने ढंग प्रस्तुत किया है। इन मनीषियों ने केवल गीता का भाष्य ही तैयार नहीं किया अपितु इनके व्यक्तित्व और कार्यशैली में गीता के उस संदेश की झलक भी मिलती है जो इन्होंने अपने अपने भाष्य में दिया है। पूज्य आदिशंकराचार्य जी द्वारा सनातन धर्म की पताका को पुनर्प्रतिठित करने में, रामानुजाचार्य जी द्वारा दासत्व के घोर अंधकार के बीच भक्ति मार्ग द्वारा सनातन ज्योति जलाये रखने में, गाँधीजी एवं लोकमान्य तिलक ने स्वाधीनता संग्राम में नयी दिशा सुनिश्चित करने में और बिनोवाजी के भूदान आँदोलन की संकल्पशीलता में स्पष्ट झलकती है। संविधान की मूलप्रति के चौथे भाग में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को श्रीमद्भगवत गीता का संदेश देते हुये चित्र भी उकेरा गया है। संविधान के इस भाग में ÷राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत÷ का उल्लेख है। संभवतः संविधान निर्माताओं का उद्देश्य नीति नियमों के पालन में निरपेक्षता भाव लाना रहा होगा। इसलिए उन्होंने इस भाग के लिये इस चित्र को उकेरने का निर्णय लिया होगा।

श्रीमद्भगवद्गीता में व्यक्तित्व, समाज राष्ट्र और संसार को सुखी बनाने के सूत्र भी हैं और यह भारत में सबसे अधिक बिकने वाला और बाँटा जाने वाला ग्रंथ है। इसकी मान्यता न्यायालय में भी है और संविधान में भी। संविधान में मान्यता है तभी तो गीता का उपदेश करते हुये चित्र उकेरा गया है। लेकिन सबसे कम पढ़ा जाना वाला, और सबसे कम समझा जाने वाला ग्रंथ भी गीता है। जो समाज श्रीमद्भगवतगीता पर हाथ रखकर सौगंध खाता है, अपने प्रियजनों की स्मृति में गीता का वितरण करता है वह यदि पढ़कर गीता समझता तो उसके सामने वह समस्याएँ नहीं होतीं जो आज देश में दिखाई दे रहीं हैं। लेकिन अब भारत सरकार रूचि ले रही है। गीता महोत्सव का स्वरूप अंतराष्ट्रीय हो गया है। इसका शुभारंभ करने प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र गये थे। इसलिए उम्मीद की जाना चाहिए कि भारतीय समाज जीवन में गीता को समझने और उसके अनुरूप आचरण करने का भाव प्रबल होगा।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी में मितानिन दीदियों का सम्मान

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. चतुर्वेदी के मार्गदर्शन पर सभी पांचों विकासखंड के मितानिनों का पंचायत एवं विभागीय स्तर पर सम्मान किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड कोंडागांव के अंतर्गत सेक्टर बम्हनी के आश्रित केंद्र संबलपुर बम्हनी बोरगांव करियाकाटा हंगवा के 51 मितानिनों एवं 4 मितानिन प्रेरक का सम्मान स्वास्थ्य परिवार बम्हनी के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेक्टर के मेडिकल ऑफिसर डॉ. रिंकू मरकाम प्रभारी कृष्णा पटेल और पर्यवेक्षक संजय नायडू ने संयुक्त रूप से बताया कि मितानिन सम्मान दिवस 23 नवंबर को प्रदेश स्तर पर मनाया जाता है। इसी के तहत सम्मान कार्यक्रम प्रति वर्ष उक्त तिथि में मनाया जाता है। मितानिन कार्यकम वर्ष 2004 में प्रारंभ किया गया, जिसका मुख्य उददेश्य दूरस्थ ग्रामीण अंचल के ग्राम पारा टोले की जागरूक एवं शिक्षित इच्छुक महिला को चयनित कर स्वास्थ कार्यक्रम की जानकारी के साथ प्रशिक्षित किया गया, ताकि वे अपनी निःशुल्क सेवा समाज को दे सके। वर्तमान समय में विभाग एवं समाज में अपनी छवि एक समाज सेविका के रूप में पहचान बनाई है उनकी सेवा भावना से विभाग में भी बेहतर परिणाम स्वरूप विभागीय कार्यक्रम में प्रोत्साहन राशि दिया जाने लगा, जिससे वे अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर समाज में और भी स्वास्थ के प्रति बेहतर कार्य कर सके आज स्वास्थ विभाग के साथ साथ अन्य विभाग के कर्मचारी अधिकारी भी किसी न किसी कार्य के लिए मितानिन दीदियों को दायित्व सौंपते है, इनकी सेवा भावना को सम्मानित करने के लिए शासन प्रशासन द्वारा वर्ष 2011 से 23 नवम्बर को प्रति वर्ष पंचायत एवं स्वास्थ विभाग के द्वारा ब्लॉक एवं सेक्टर स्तर पर भी सम्मानित किया जाता है।

मितानिन दीदियों द्वारा अपने एरिया के ग्राम टोले में 200 से 250 जनसंख्या के परिवार को जन्म से मृत्यु तक के समय की सेवा संबंधित केंद्र के कर्मचारी के साथ सामंजस्य कर करती है समाज में सही आयु में विवाह से लेकर प्रथम तिमाही में गर्भवती महिला की पंजीयन, समय पर उच्च जोखिम महिला की पहचान, गर्भवती महिला एवं बच्चो का टीकाकरण में सहयोग, संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित करना, प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान की निर्धारित तिथि 9 एवं 24 तारीख को नजदीकी पी एच सी एवं जिला अस्पताल में भी हितग्राहियों को ले जाने का कार्य के साथ गर्भावस्था के समय एवं प्रसव उपरांत फॉलोअप कार्य, टी बी, कुष्ठ, मोतियाबिंद के संभावित मरीजों की पहचान एवं उपचारित मरीजों का फॉलोअप कार्य, परिवार कृयाण कार्यक्रम के अस्थाई एवं स्थाई साधन की जानकारी के लिए प्रेरित करना एवं गैर संचारी रोग का पंजीयन एवं जांच कराने में सहयोग करना इसके अन्य कार्य में सतत संलग्न रहती है और वर्तमान समय स्वास्थ विभाग और समाज में सबसे निचले स्तर की मुख्य कड़ी के नाम से जानी पहचानी जा रही है। इस अवसर पर सभी मितानिन दीदियों का सम्मान कर सेक्टर गर्व महसूस कर रहा है। अब से प्रति वर्ष सेक्टर स्तर पर ये कार्यक्रम का आयोजन किए जाने की बात कही गई। इस दौरान पीएचसी के दीपक नाग, धनेश्वरी ध्रुव, शालू वट्टी, बिंदे लता ठाकुर, सन्मति सोरी, निर्मला मालेकर, बिंदिया पटेल, दीपिका नेताम, धनेश्वरी नाग, निर्मला नेताम, मयंक देवांगन, घुड़वंत कुलदीप, ओम प्रकाश देवांगन, सियाराम कश्यप, एम टी लता साहू, विषनाथ एवं अन्य समस्त विभागीय कर्मचारी मितानिन प्रेरक उपस्थित रहे।

कोंडागांव में तीन दिवसीय संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शानदार समापन

कोण्डागांव। गांधी वार्ड आड़का छेपड़ा खेल सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में स्वर्गीय हेमकुंवर पटेल एवं जयराम देवांगन की स्मृति में आयोजित तीन दिवसीय संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ। रोमांचक फाइनल मुकाबले में गांधी वार्ड कोंडागांव की टीम ने अलनार को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में अलनार-। ने द्वितीय तथा अलनार-ठ ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल तथा विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष जस केतु उसेंडी ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्साह और क्षेत्र में खेल के प्रति बढ़ती जागरूकता की सराहना की। इस प्रतियोगिता में कोंडागांव जिले के साथ-साथ जिला नारायणपुर, कांकेर, जगदलपुर और उड़ीसा राज्य की टीमों ने भी हिस्सा लेकर आयोजन को क्षेत्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक और यादगार बनाया।

सातगांव पंचायत में आधारहीन शिकायतों का मुद्दा गर्माया सरपंच ने जिला पंचायत सीईओ से कड़ी कार्रवाई की मांग की

कोण्डागांव। जिला के ग्राम पंचायत सातगांव में सचिव के कार्यो पर लगाए गए आरोपों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सरपंच ने जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सोमवार की सुबह आवेदन देकर मांग किया है कि, शिकायतकर्ता सेवकराम दीवान पर बार-बार द्वेषपूर्ण, असत्य और बिना साक्ष्य के शिकायतें करने का आरोप लगाया गया है। आवेदन में सरपंच ने बताया कि वर्तमान सचिव सदाबृज दीवान पिछले वर्ष ही सातगांव में पदस्थ हुए हैं और अब तक सिर्फ सीसी रोड निर्माण कार्य कराया गया है। इस कार्य की कुल राशि भी पंचायत को अभी पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं हुई है, इसके बावजूद कार्य पूरा कर लिया गया। ऐसे में शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए मनमानी व अनियमितता के आरोप निराधार प्रतीत होते हैं। सरपंच का कहना है कि सेवकराम दीवान पूर्व में भी इसी तरह की बेबुनियाद शिकायतें पूर्व सचिवों और पंचायत के विरुद्ध करता रहा है। उनके अनुसार, यह लगातार की जा रही शिकायतें केवल शासकीय कार्यों में बाधा डालने और कम शिक्षित आदिवासी सरपंच को भ्रमित कर उपसरपंच के रूप में अपनी पकड़ बनाए रखने का प्रयास प्रतीत होती हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की निराधार शिकायतें न केवल पंचायत के सुचारू कार्य संचालन में रुकावट पैदा करती हैं, बल्कि कर्मचारियों के मनोबल को भी प्रभावित करती हैं। यदि ऐसी शिकायतें जारी रहीं तो कोई भी कर्मचारी गांव के विकास कार्यों में रुचि नहीं ले पाएगा, जिससे पंचायत के विकास पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। अंत में सरपंच ने जिला पंचायत सीईओ से शिकायतकर्ता के विरुद्ध उपयुक्त अनुशासनात्मक व दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है ताकि आगे भविष्य में इस प्रकार की अनावश्यक शिकायतें देकर प्रशासनिक कार्य में बाधा न डाली जा सके।

सीआरपीएफ 188 बटालियन में स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ, जवानों ने ली स्वच्छता की शपथ

कोण्डागांव। केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल 188 बटालियन कोण्डागांव द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता पखवाड़ा की शुरुआत की गई। यह अभियान बटालियन परिसर चिकलपुट्टी में कमाण्डेंट भवेष चौधरी के मार्गदर्शन में शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सभी अधिकारियों और जवानों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर की गई। सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में प्रतिवर्ष आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा इस वर्ष सीआरपीएफ की 188 बटालियन द्वारा 1 से 15 दिसंबर तक चलाया जा रहा है। पखवाड़े में जवानों को अपने घर, मोहल्ले, गली और गांव को स्वच्छ रखने का संकल्प दिलाया गया। कमाण्डेंट भवेष चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि, महात्मा गांधी ने स्वतंत्र भारत के साथ स्वच्छ भारत का भी सपना देखा था। राष्ट्र को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। यदि नागरिक स्वच्छता को अपनाते हैं तो देश स्वाभाविक रूप से सुंदर दिखता है। सभी जवान और नागरिक प्रतिदिन मात्र दो घंटे स्वच्छता के लिए दें, तो देश स्वच्छ और स्वस्थ बन सकता है। शपथ कार्यक्रम में उप कमांडेंट कमल सिंह मीणा, सहायक कमांडेंट ओ.पी. बिश्नोई, चिकित्सा अधिकारी डॉ. राहुल चन्द्रन, अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में जवान उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने और समाज को प्रेरित करने का संकल्प लिया। पखवाड़े के दौरान बटालियन द्वारा विभिन्न सफाई गतिविधियाँ, जागरूकता कार्यक्रम और सामुदायिक पहलें भी आयोजित की जाएगी।

ग्रामीण स्तरीय एवं विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 15 दिसम्बर तक

कांकेर। कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को जिले के समस्त विकासखण्डों में सांसद खेल महोत्सव जुनियर वर्ग एवं सीनियर वर्ग में आयोजित करने के लिए निर्देशित किया है। यह प्रतियोगिता 18 वर्ष आयु वर्ग तक (बालक-बालिका), 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग तक (महिला-पुरुष) और 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के (महिला-पुरुष) प्रतिभागियों के लिए आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत एथलेटिक्स (100मी., लंबी कूद) कबड्डी, खो-खो, व्हॉलीबॉल, गेड़ी दौड़, गिल्ली डंडा एवं रस्साकसी आदि खेलों के विभिन्न इवेंट्स शामिल किए गए हैं। ग्रामीण स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 10 दिसंबर तक तथा विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 15 दिसंबर तक संपन्न कराने के लिए कहा गया है। कलेक्टर क्षीरसागर ने सांसद खेल महोत्सव के आयोजन पश्चात् दो दिवस के भीतर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेता प्रतिभागियों का पंजीयन फॉर्म, प्रतिभागियों की सूची की सॉफ्टकॉपी एवं हार्डकॉपी, बैंक खाता विवरण सहित जिला खेल अधिकारी कार्यालय, खेल एवं युवा कल्याण इण्डोर स्टेडियम भवन कांकेर को उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देशित किया है।

गुण्डाधुर महाविद्यालय के चार छात्रों का राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन

कोण्डागांव। शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव के चार प्रतिभावान छात्रों अनुराज कोर्राम, बिरसिंग, राजेश और हिमांश उसेंडी का चयन छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय फुटबॉल (पुरुष) प्रतियोगिता हेतु किया गया है। ये सभी खिलाड़ी उत्तर बस्तर सेक्टर की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। इन छात्रों का चयन शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव में आयोजित सेक्टर स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ। आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 2 से 4 दिसम्बर 2025 तक शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग में किया जाएगा, जिसमें प्रदेश के 11 सेक्टरों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता पूर्व विशेष प्रशिक्षण के लिए 30 नवम्बर से 1 दिसम्बर 2025 तक महाविद्यालय परिसर में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारीएच. आर. यदु ने बताया कि प्राचार्या डॉ. सरला आत्राम के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से संस्था में जुलाई माह से ही उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित सभी खेलों का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। इसी सतत परिश्रम का परिणाम है कि महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों के इस चयन पर महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और आशा व्यक्त की कि वे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित करेंगे।

अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं को ऋण प्रदाय करने 15 दिसम्बर तक मंगाए गए आवेदन

कांकेर। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति कांकेर द्वारा जिले में निवासरत अनुसूचित जाति वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को स्वरोजगार स्थापना के लिए ऋण सहायता प्रदाय करने के लिए 15 दिसम्बर तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। अंत्योदय स्वरोजगार योजनांतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के 48 युवक-युवतियों को ऋण सहायता उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। आवेदक को संबंधित जाति वर्ग का होना चाहिए और जिले का मूल निवासी होना चाहिए। उसकी पारिवारिक वार्षिक आय शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 01 लाख 50 हजार रुपए से अधिक नहीं होना चाहिए। राजस्व अधिकारी द्वारा प्रमाण-पत्र जारी नहीं होने पर सरपंच एवं पटवारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र मान्य होगा। आवेदक की उम्र 18 से 50 वर्ष होनी चाहिए तथा आवेदन के साथ जन्म तिथि अंकित 5वीं, 8वीं, 10वीं के अंकसूची, आधार, पेनकार्ड, राशन कार्ड एवं मतदाता परिचय पत्र इत्यादि की छायाप्रति के साथ पासपोर्ट साइज की दो फोटो एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति प्रस्तुत करना होगा। साथ ही 10 रूपए के स्टाम्प पर किसी भी बैंक या वित्तीय संस्था से ऋण अनुदान का लाभ नहीं लेने का शपथ पत्र भी प्रस्तुत करना होगा। उपरोक्त पात्रता रखने वाले आवेदक अपना आवेदन जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति, कलेक्ट्रेट कम्पोजिट भवन के प्रथम तल, कक्ष क्रमांक 06 में 15 दिसम्बर तक कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

वन विभाग द्वारा पालनार में खेती करने के लिए दिया गया प्रशिक्षण

किरंदुल। पालनार में वन विभाग द्वारा लाख पालन का खेती करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें विभिन्न ग्रामों से किसान उक्त प्रशिक्षण में शामिल हुए। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों ने लाख पालन कर आय बढ़ाने के विषय में विस्तार से जानकारी दी। मौके पर अध्यक्ष जनपद पंचायत कुआकोडा सुकालू मुड़ामी, सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी ललित नाग,वन ऊपाजक संस्था प्रबन्धक नकुलनार देवीराम यादव एवं अन्य उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर शासकीय जीएनएम नर्सिंग कॉलेज कोण्डागांव में जागरूकता एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया

कोण्डागांव। विश्व एड्स दिवस' के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव, किरण चतुर्वेदी' के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव, गायत्री साय के नेतृत्व में प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेन्द्र भट्ट एवं अधिकार मित्र के द्वारा शासकीय जीएनएम नर्सिंग कॉलेज कोण्डागांव में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया । इस शिविर का मुख्य उददेश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं में एड्स / एचआईवी की रोकथाम, सर्बधित कानूनी अधिकारों, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सामाजिक भ्रातियों को दूर करने के बारे में जानकारी प्रदान करना था। शिविर में उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एचआईवी / एड्स से पीड़ित व्योवित्तयों को स्वास्थ्य, सम्मान और समानता का सवैधानिक अधिकार प्राप्त है तथा किसी प्रकार का भेदभाव करना कानून अपराध है। उन्होंने नर्सिंग छात्रों से इस सदेश को समाज के अतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का आग्रह किया। साथ ही एचआईवी संक्रमण के कारण, लक्षण, बचाव के उपचार उपलब्ध, कानूनी प्रावधान हेल्पलाइन सेवाएँ तथा जागरूकता के सामाजिक पक्षों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही उपस्थित छात्रों को कानूनी सहायता सेवाओं एव निःशुल्क परामर्श सुविधा के बारे में भी बताया गया।

शासकीय आदर्श आवासीय कन्या महाविद्यालय कोंडागांव में प्रथम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता सम्पन्न

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नगर के शासकीय आदर्श आवासीय कन्या महाविद्यालय में राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता पुरुष एवं महिला 2025-26 का आयोजन 28, 29 नवम्बर 2025 को नगर के इन्डोर बैडमिंटन स्टेडियम, कोण्डागाँव में किया गया इस अवसर पर प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि नरपती पटेल, विशिष्ट अतिथि मा. जसकेतु उसेण्डी, पर्यवेक्षक डॉ देबाषिस हाज़रा, डॉ सरला आत्राम अग्रणीय प्राचार्य एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत तिलक, गुलदस्ता एवं बैच लगाकर किया गया सरस्वती मां, छत्तीसगढ़ महतारी, प्रमिला देवी नाग एवं मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा में माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। विधायक कोण्डागाँव लता उसेण्डी ने इस राज्य स्तरीय आयोजन को सफल बनाने के लिए सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि ने अपने भाषण में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न खेल आयोजन की जानकारी दी, महाविद्यालय में खेल को बढ़ावा देने के लिए सेक्टर की संख्या बढ़ाई गयी ताकि ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी भाग ले सके राज्य स्तर के खेल आयोजनों में खिलाड़ियों को भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया एवं खेल से होने वाले लाभों की जानकारी खिलाड़ियों को दी मंच पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि ने अपने भाषण में खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने एवं अपने सेक्टर एवं महाविद्यालय का नाम रोशन करने की बात कही कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे तिलक चन्द्र देवांगन ने बताया कि किस प्रकार खिलाड़ी संयम का परिचय देकर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं. बिंदेश्वरी एवं ग्रुप ने उद्घाटन समारोह में मनमोहक पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के आयोजक सचिव सुनील देव जोशी, क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि यह आयोजन में राज्य के 11 सेक्टर की टीम ने प्रतिभाग किया जिसमें 44 महिला खिलाड़ी एवं 66 पुरुष खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय दिया द्य विभिन्न विश्वविद्यालय से आए हुए चयनकर्ता ने खिलाड़ियों के खेल कौशल एवं प्रदर्शन के आधार पर अपने विश्वविद्यालय की टीम का चयन किया चयनित खिलाड़ी सम्बलपुर (ओडिसा) में होने वाले पूर्वी जोन में अपने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे उन्होंने यह भी बताया महाविद्यालय स्थापना के 3 वर्ष उपरान्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजन का अवसर प्राप्त हुआ। इस आयोजन को लेकर क्रीड़ा विभाग समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं उत्तर बस्तर के क्रीड़ा अधिकारी उत्साहित थे ।

अरविंद महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ी पाक कला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

किरंदुल। शासकीय अरविन्द महाविद्यालय किरंदुल में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ी पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।इस कार्यक्रम का प्रमुख उददेश्य छत्तीसगढ़ी भाषा का प्रचार प्रसार तथा इसके व्यावहारिक प्रयोग के प्रति रूचि उत्पन्न करना था। जिसके तहत छात्र छात्राओं ने अपने बनाये व्यंजनों की विधि को छत्तीसगढ़ी भाषा में बोल कर बताया। इस पाक कला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के पारंपरिक स्वाद को अपने व्यंजन में शामिल किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ छत्तीसगढ़ी भाषा को राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान किये जाने एवं भविष्य में छत्तीसगढ़ी के स्वरूप पर संक्षिप्त भूमिका से किया गया। प्रतिभागियों में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान किया गया।

संक्षिप्त समाचार

प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी हेतु चयन परीक्षा 14 दिसम्बर को

बिलासपुर। राजीव युवा उत्थान योजना वर्ष 2019 अंतर्गत परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, बिलासपुर में अनु.जाति, अनु.जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए एसएससी, बैंकिंग भर्ती बोर्ड, रेलवे भर्ती बोर्ड, छत्तीसगढ़ व्यापम एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जा रही है। कोचिंग अनुबंधित निजी संस्थाओं के माध्यम से संचालित की जाएगी। इसके लिए अभ्यर्थियों से 28 नवम्बर 2025 तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। तृतीय प्रशिक्षण सत्र हेतु प्राक्चयन परीक्षा 14 दिसम्बर 2025 को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित की जाएगी। पात्र अभ्यर्थी 08 दिसम्बर 2025 से अपना प्रवेश पत्र परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, साइंस कॉलेज के पास, चांटीडीह रोड, बिलासपुर से प्राप्त कर सकते हैं। प्राक्चयन परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्र डेल्टा पब्लिक स्कूल, पुराना हाई कोर्ट के सामने, बिलासपुर निर्धारित किया गया है। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी कार्यालयीन समय में प्रशिक्षण केन्द्र से संपर्क कर सकते हैं।

राज्य वीरता पुरस्कार के लिए आवेदन 20 दिसम्बर तक

बिलासपुर। जिले के 18 वर्ष आयु तक के बालक-बालिकाओं को असाधारण वीरता, साहस एवं बुद्धिमत्ता के लिए राज्य वीरता पुरस्कार प्रदान करने हेतु 20 दिसम्बर 2025 तक आवेदन मंगाये गये है। पुरस्कृत करने के लिए 1 जनवरी 2025 से आवेदन की तिथि के पूर्व तक की अवधि में विचारणीय होगी। आवेदन निर्धारित तिथि तक जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग के पीछे जमा किये जा सकते है। विस्तृत जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग की वेबसाईट द्धह्लह्लश्चह्य://ष्द्2ष्ह्र.द्दश1.द्बठ्ठ में सम्मान, पुरस्कार खण्ड का अवलोकन किया जा सकता है।

रेलवे प्रशासन को कुछ दिनों में मिलेगी सीआरएस की रिपोर्ट

बिलासपुर। लालखदान रेल हादसे के मामले में सीआरएस में अंतिम अभियुक्त महिला असिस्टेंट लोको पायलट से पूछताछ कर अपनी जांच पूरी कर ली है, जिनकी रिपोर्ट एक सप्ताह के अंदर मिलने की संभावन है। बिलासपुर से झारसुगुड़ा के बीच चौथी लाइन का काम करने के साथ ही आटोमेटिक सिग्नलिंग का भी कार्य किया गया है, ताकि ट्रेनों की टक्कर नहीं हो सके। आटोमेटिक सिग्नलिग यानि एक लाइन पर एक साथ तीन ट्रेन मालगाड़ियां या यात्री ट्रेनों को करीब एक किलोमीटर के अंतराल में चलाया जा सकता है। इसकी पूरी आपरेटिंग आनलाइन की जा रही है। रेलवे की यह योजना चार नवम्बर को पूरी तरह से फेल हो गई ,जब आटोमेटिक सिग्नलिंग के चक्कर में दो यलो सिग्नल देखने के बाद एक लोकल के चालक के अप लाइन पर ट्रेन आगे बढ़ा दी, जो उसी लाइन पर खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई थी। क्या था मामला यह हादसा चार नवम्बर को हुआ था। गतौरा से बिलासपुर स्टेशन के बीच आ रही कोरचा बिलासपुर लोकल मेमू के चालक को गतौरा से ट्रेन छूटने के बाद लालखदान के पहले रेड सिग्नल दिखा, जिसके उपरांत उन्होंने ट्रेन को रोक दिया। लालखदान मोड़ के पास अचानक चालक ने दूसरे लाइन के दो यलो सिम्बल देखा और ट्रेन को 70 किलोमीटर प्रति रफ्तार से आगे बढ़ा दिया। यह ट्रेन अप लाइन पर चल पड़ी जहां पहले से ही कोयला लोडेड मालगाड़ी खड़ी हुई थी। जिसके बाद एक बड़ा रेल हादसा हो गया जिसमें चालक सहित कई यात्रियों की जान चली गई।

सीपत क्षेत्र में स्वास्थ्य सर्वे की शुरुआत सिम्स की कम्युनिटी मेडिसिन टीम द्वारा शुरू

बिलासपुर। एनटीपीसी सीपत क्षेत्र के पाँच किलोमीटर दायरे में रहने वाले लोगों की स्वास्थ्य स्थिति का व्यापक मूल्यांकन शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) की कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की टीम जिसमें चिकित्सक और पीजी विद्यार्थी शामिल हैं।टीम ने प्रभावित क्षेत्र में घर घर जाकर स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रारंभ कर दिया है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि ताप विद्युत परियोजना के संचालन और उससे उत्सर्जित प्रदूषण का स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव पड़ा है। सर्वे के दौरान प्रत्येक परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है, ताकि ग्रामीणों की वास्तविक स्वास्थ्य स्थिति का वैज्ञानिक मूल्यांकन इस शोध का मकसद ग्रामीणों की वास्तविक स्वास्थ्य स्थिति का आंकलन करना, क्षेत्र में मौजूद स्थानिक रोगों की पहचान करना और सामाजिक, जनसांख्यिकीय परिस्थितियों का विश्लेषण करना है। अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को वैज्ञानिक सिफारिशें भेजी जाएंगी, जिनका उपयोग ग्रामीणों के लिए दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाएं बनाने में किया जाएगा। इस सर्वे से यह स्पष्ट हो सके कि किन बीमारियों की अधिकता है और उनका संभावित कारण क्या हो सकता है। सिम्स के डीन रमणेश मूर्ति के अनुसार, एनटीपीसी सीपत प्रदेश का प्रमुख कोयला आधारित बिजली संयंत्र है।

नगपुरा में मनाया गया वाटरशेड महोत्सव

जल संरक्षण और कृषि नवाचार का संदेश कृषि विशेषज्ञों ने दिए नवाचारपूर्ण सुझाव

बिलासपुर। भूमि संसाधन एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा छ.ग. राज्य में बिलासपुर जिले के कृषि विभाग में संचालित केन्द्रीय योजना डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाय 2.0/1 द्वारा कोटा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत नगपुरा में वाटरशेड महोत्सव का आयोजन किया गया। माइक्रोवाटरशेड ग्राम नगपुरा में विविध आयोजना के तहत् प्रभात फेरी, रंगोली एवं कबड्डी प्रतियोगिता, भूमि पूजन, श्रम दान एवं सरसों बीज का वितरण किया गया। वाटरशेड कमेटी नगपुरा में श्रमदान एवं निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। इसके पश्चात् प्राथमिक शाला माइक्रोवाटरशेड नगपुरा के बच्चों के द्वारा प्रभात फेरी, पानी की पाठशाला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया गया। आयोजन के दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर जनपद पंचायत सदस्य श्री परमेश्वर खुसरो मौजूद थे। इसके अलावा सरपंच ग्राम पंचायत नगपुरा श्रीमति अनूपा पैकरा, सरपंच ग्राम पंचायत तुलुफश्री मोहन सिंह श्याम, भूतपूर्व जनपद पंचायत सदस्य श्रीमति सुरति परमेश्वर खुसरो एवं विभागों से कृषि विज्ञान केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ श्रीमति डॉ. शिल्पा कौशिक, श्रीमति डॉ. एकता ताम्रकार एवं इंजीनियर श्री पंकज मिंज, आईएफएफसीओ के प्रबंधक श्री नवीन तिवारी, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रबंधक श्री अवनीश सिंह, परियोजना अधिकारी डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाय 2.0/1 कोटा, डब्ल्यूसीडीसी, समस्त डब्ल्यूडीटी, वाटरशेड कमेटी के समस्त

अध्यक्ष एवं सचिव मौके पर उपस्थित रहे। कृषि विज्ञान केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ श्रीमति डॉ. शिल्पा कौशिक द्वारा ग्रीष्मकालीन धान के बदले दलहन-तिलहन की खेती, श्रीमति डॉ. एकता ताम्रकार के द्वारा प्राकृतिक एवं जैविक खेती, श्री पंकज मिंज द्वारा ड्रिप एवं स्प्रिंकलर पद्धति द्वारा जल प्रबंधन पर उद्बोधन दिया गया। जिसके पश्चात् आईएफएफसीओ के प्रबंधक श्री नवीन तिवारी द्वारा नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग फसलों में करने की विधि के बारे में विस्तृत बताया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जिला प्रबंधक श्री अवनीश सिंह द्वारा फसल क्षतिग्रस्त होने पर फसल की बीमा कराने हेतु किस प्रक्रिया को अपनाना है इसकी जानकारी दी गई। कृषि विभाग कोटा के द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत सरसों बीज का वितरण मुख्य अतिथियों के माध्यम से नगपुरा, डांडबछाली एवं तुलफ ग्राम के 20 कृषकों को किया गया। पशु विभाग कोटा से पशु चिकित्सा सहायक सलग्य द्वारा पशुओं की मौसमी बीमारी एवं उनके उपचार के बारे में कृषकों को अवगत कराया गया। ग्राम कसईबहरा ग्राम के बच्चों के द्वारा स्वागत गीत के साथ शुभारंभ किया गया।

कार्रवाई में सवा 2 लाख रूपए का अवैध धान जब्त किए गए

बिलासपुर। जिला प्रशासन की अवैध धान संग्रहण एवं परिवहन के खिलाफकार्रवाई का सिलसिला जारी है। इस क्रम में कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर जांच टीम ने दो स्थलों पर छापामार कार्रवाई कर 2.13 लाख रूपए के अवैध धान जब्त किये। आरोपियों के विरूद्ध मण्डी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जिला खाद्य नियंत्रक अमृत कुजूर ने बताया कि दो संस्थाओं में 172 बोरी (69 क्विंटल) धान बरामद किया गया है। राजस्व विभाग के नेतृत्व में खाद्य एवं मण्डी विभाग के अधिकारियों से बनी टीम द्वारा छापे की कार्रवाई की गई। इनमें मस्तुरी के गतौरा के एक व्यापारी से 112 बोरी (45 क्विंटल) धान और ग्राम सलका बेलतरा निवासी अशोक कुमार कश्यप के बाकदता से 60 बोरी (24 क्विंटल) धान शामिल हैं। अवैध धान संग्रहण एवं परिवहन के विरूद्ध कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। अब तक जिले में अवैध धान संग्रहण एवं परिवहन के कुल 25 प्रकरण तैयार किये गए हैं। इनसे लगभग 25 लाख रूपये मूल्य के 813 क्विंटल धान बरामद किये गए हैं।

19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी, लखनऊ में बिलासपुर के रोवर गौरवका चयन

- 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी, लखनऊ में बिलासपुर के रोवर गौरव राठौर का चयन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर ज़िले के वीर आज़ाद ग्रुप के प्रतिभावान रोवर गौरव राठौर ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए लखनऊ में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में प्रेस एवं मीडिया टीम के सदस्य के रूप में चयन प्राप्त किया है। यह चयन राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा विस्तृत प्रक्रिया, आवेदन एवं साक्षात्कार के उपरांत किया गया। देशभर से प्राप्त आवेदनों में गौरव राठौर ने अपने उत्कृष्ट स्काउटिंग अनुभव, आत्मविश्वास एवं योग्यता के बल पर सफलतापूर्वक स्थान बनाते हुए बिलासपुर ज़िले, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं भारत स्काउट्स एंड गाइड्स को गौरवान्वित किया है। राष्ट्रीय जम्बूरी : एक भव्य आयोजन यह आयोजन 23 से 29 नवंबर 2025 तक लखनऊ, उत्तर प्रदेश में अत्यंत भव्य स्वरूप में आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से लगभग 35,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की गरिमा उस समय और भी बढ़ गई जब राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जम्बूरी में उपस्थिति दर्ज की गई। अपनी उपलब्धि का श्रेय गौरव राठौर ने बिलासपुर ज़िले के जिला आयुक्त (स्काउट) श्री अनुराग सिंह/सीनियर डी.सी.एम. बिलासपुर, श्री दिलीप कुमार स्वाई/राज्य संगठन आयुक्त एवं अपने ज़िला संगठन के सभी पदाधिकारियों तथा अपने रोवर-स्काउट लीडर को देते हैं।

अमीन की भरती परीक्षा 7 दिसंबर को, व्यापम ने जारी किया ड्रेस कोड

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, (व्यापम) द्वारा 7 दिसंबर को बिलासपुर सहित प्रदेश के 16 जिलों में जल संसाधन विभाग के अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा आयोजित की गई है। पूरे प्रदेश में 2.30 लाख से ज्यादा परीक्षार्थी इसमें शामिल होने के लिए आवेदन किया है। अकेले बिलासपुर में 38 हजार से ज्यादा उम्मीदवारों ने परीक्षा केन्द्र के रूप में बिलासपुर को चुना है। इसके लिए जिले में 126 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। व्यापम के निर्देश पर जिला प्रशासन ने इस परीक्षा के निष्पक्ष और पारदर्शी पूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए परीक्षार्थियों के लिए विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। व्यापम द्वारा जारी निर्देश के अनुसार परीक्षार्थी परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन कर लें ताकि उन्हे परीक्षा दिवस को कोई असुविधा न हो। परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फिस्किंग एवं फोटो युक्त पहचान पत्र का सत्यापन किया जा सके । परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। चूकि यह परीक्षा दोपहर 12.00 बजे प्रारंभ हो रहा है। अतः मुख्य द्वार प्रातः 11.30 बजे बंद कर दिया जावेगा। इसलिए समय का विशेष ध्यान रखें। हल्के रंग के आधी बाही वाले कपडे पहनकर परीक्षा देने आये। काले, गहरे, नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपडे पहनना वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर (बिना पॉकेट) की अनुमति है।

कलेक्टर अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं-कोटवार के विरूद्ध अवैध कब्जे की शिकायत..

- लिमतरी स्कूल में अतिरिक्त शौचालय की मांग

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आज दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों की फरियाद सुनी। उन्होंने एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात कर उनका आवेदन लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। लोगों ने जनदर्शन में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक हित से जुड़े विषयों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए आवेदन दिया। नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार और सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल ने लोगों की समस्याओं को सुना। जनदर्शन में आज ग्राम पंचायत निपनिया के किसानों ने ग्राम कोटवार के द्वारा किसानों के आने जाने वाले रास्ते व कोटवारी जमीन के अलावा उसके आसपास के सभी शासकीय भूमि में किये गये बेजा कब्जा को तोड़वाने की मांग की। कलेक्टर ने इस मामले की जांच करने के निर्देश एसडीएम बिल्हा को दिए। आज ग्राम लिमतरी के पूर्व उप सरपंच श्री विनोद कुमार कौशिक ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लिमतरी में विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप अतिरिक्त शौचालय भवन का निर्माण कराये जाने की मांग की। उन्होंने बताया कि ग्राम लिमतरी के शासकीय विद्यालय विद्यार्थियों की संख्या अत्यधिक होने के कारण अतिरिक्त शौचालय भवन की आवश्यकता है। कलेक्टर ने उनका ज्ञापन जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम हाफा निवासी हीरालाल महिलांगे ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मिलने वाली किस्त की राशि दिलाने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि योजना अंतर्गत आवास की पूरी किस्त की राशि उन्हें प्राप्त नहीं हुई है। शेष राशि के लिए उन्होंने पूर्व में आवेदन दिया था परंतु आज दिनांक तक किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं हुई। कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। जनदर्शन में बिलासपुर के लव यादव ने कलेक्टर को ट्राई साइकिल दिलाने की मांग की। कलेक्टर ने इस संबंध में समाज कल्याण विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा।

रेलवे चौथे काशी तमिल संगमम के लिए तमिलनाडु से वाराणसी के लिए सात विशेष ट्रेनें चला रहा है.....

बिलासपुर। भारतीय रेलवे कन्याकुमारी, चेन्नई, कोयंबटूर और वाराणसी के बीच सात विशेष रेलगाडियों का संचालन कर रहा है ताकि चौ?थे काशी तमिल संगमम में बड़े पैमाने पर भागीदारी सुनिश्चित की जा सके और तमिल भाषी क्षेत्र व काशी के प्राचीन आध्यात्मिक केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और सुदृढ़ किया जा सके। इन विशेष ट्रेनों को इस बहु-दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए निर्बाध यात्रा, आरामदायक लंबी दूरी की कनेक्टिविटी और समय पर आगमन सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित किया गया है। 29 नवंबर 2025 को कन्याकुमारी से पहली ट्रेन के रवाना होने के साथ इन सेवाओं की शुरुआत हुई थी। इसके बाद आज चेन्नई से एक अतिरिक्त विशेष ट्रेन रवाना हुई। अगली प्रस्थान 3 दिसंबर को कोयंबटूर से, 6 दिसंबर को चेन्नई से, 7 दिसंबर को कन्याकुमारी से, 9 दिसंबर को कोयंबटूर से और 12 दिसंबर 2025 को चेन्नई से एक और सेवा निर्धारित है। इन नियोजित प्रस्थानों के साथ, तमिलनाडु के प्रमुख शहरों से बनारस के लिए कुल सात विशेष ट्रेनें एक सुव्यवस्थित और चरणबद्ध तरीके से चलेंगी। समय पर वापसी की यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय रेलवे ने बनारस से कई विशेष रेलगाडियों की व्यवस्था की है। इनमें 5 दिसंबर को कन्याकुमारी, 7 दिसंबर को चेन्नई और 9 दिसंबर को कोयंबटूर के लिए ट्रेन शामिल हैं। इसके अलावा 11 दिसंबर को चेन्नई, 13 दिसंबर को कन्याकुमारी, 15 दिसंबर को कोयंबटूर और 17 दिसंबर 2025 को चेन्नई के लिए भी अतिरिक?त रेलगाड़ियां चलेंगी। आज से शुरू हो रहा काशी तमिल संगमम का चौथा संस?करण तमिलनाडु

और काशी के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक संबंध को निरंतरता देता है। यह संस्करण आइए तमिल सीखें-तमिल करकलमविषय पर केंद्रित है, जो वाराणसी के स्कूलों में तमिल शिक्षण पहल, काशी क्षेत्र के छात्रों के लिए तमिलनाडु के अध्ययन दौरों और तेनकाशी से काशी तक प्रतीकात्मक ऋषि अगस्त्य वाहन अभियान के माध्यम से दोनों क्षेत्रों के बीच भाषाई और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है। काशी तमिल संगमम 4.0, एक भारत श्रेष्ठ भारत के सार को दर्शाता है जो लोगों को अपनी संस्कृति के अलावा अन?य समृद्ध संस्कृतियों को समझने और उसकी सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह पहल शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित है जिसमें आईआईटी मद्रास और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय प्रमुख ज्ञान भागीदार के रूप में शामलि हैं। रेलवे सहित दस मंत्रालयों की भागीदारी से, यह कार्यक्रम दोनों क्षेत्रों के छात्रों, कारीगरों, विद्वानों, आध्यात्मिक गुरुओं, शिक्षकों और सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं को एक साथ जोड़ता है, जिससे उनके बीच विचारों, सांस्कृतिक विधियों और पारंपरिक ज्ञान का आदान-प्रदान सुगम होता है। इन सात विशेष रेलगाड़ियों के माध?यम से सांस्कृतिक रूप से समृद्ध इस यात्रा कार्यक्रम का समन्वय कर, भारतीय रेलवे देश के विविध क्षेत्रों को जोड़ने तथा तमिलनाडु व काशी के बीच साझा विरासत को सुदृढ़ करने में एक केंद्रीय भूमिका निभा रहा है।

वाटरशेड महोत्सव : रील बनाओ, इनाम पाओ सर्वश्रेष्ठ रील के लिए 50 हजार इनाम

बिलासपुर। जल संरक्षण एवं वाटरशेड विकास कार्यो में जनभागीदारी बढ़ाने तथा जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से केन्द्र एवं राज्य शासित प्रदेश सरकारों के सहयोग से जलग्रहण विकास कार्यो में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भूमि संसाधन विभाग द्वारा ''वाटरशेड महोत्सव'' का आयोजन किया जा रहा हैं। ''वाटरशेड महोत्सव'' अंतर्गत बिलासपुर जिले में विभिन्न गतिविधियों के साथ ''सोशल मीडिया प्रतियोगिता'' का आयोजन किया जायेगा। यह प्रतियोगिता 31 दिसंबर 2025 तक आयोजित की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति जल संचय संरचनायें, बागवानी, कृषि, वानिकी एवं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना डब्ल्यूडीसी 2.0 एवं 1.0 सहित जलग्रहण योजनाओं के अंतर्गत निर्मित संरचनाओं और उनसे लाभान्वित समुदाय को दर्शाते हुये 30 से 60 सेकण्ड का लघु विडियों, रील या फोटो तैयार कर सकता हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये प्रतिभागियों को वेबसाईट पर पंजीकरण करना होगा और सोशल मिडिया प्लेटफार्म पर हैशटैग के साथ ऑनलाईन अपना कंटेंट पोस्ट करना अनिवार्य होगा। प्रतियोगिता अवधि समाप्त होने के पश्चात् 31 जनवरी 2025 शाम 6 बजे तक प्रतिभागियों को पोस्ट के रीच, व्यूज, इंगेजमेंट, लाईक, शेयर और कमेंट का स्क्रीन शॉट पोर्टल पर जमा करना होगा। विजेताओं का चयन रीच 45 प्रतिशत।

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व

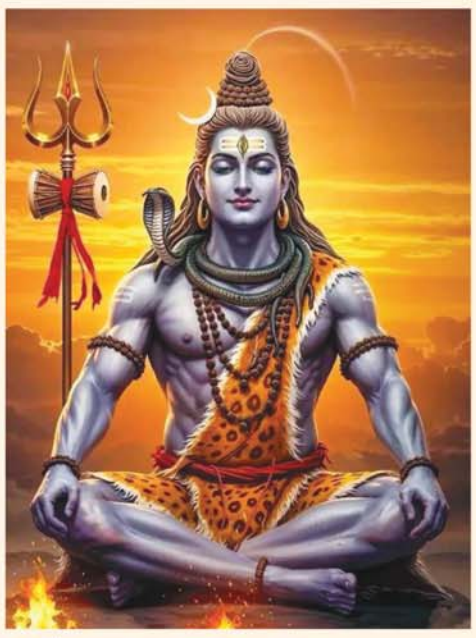

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व माना जाता है। यह व्रत भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए रखा जाता है। हर महीने शुक्ल और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत रखा जाता है, लेकिन जब यह तिथि मंगलवार के दिन पड़ती है, तो इसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाता है। भौम यानी मंगलवार और इस दिन किया गया शिव-पूजन विशेष फलदायी माना जाता है। 2025 में मार्गशीर्ष महीने के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को लेकर लोगों में यह भ्रम था कि व्रत 2 दिसंबर को रखा जाए या 3 दिसंबर को। आइए जानते हैं।

कब है भौम प्रदोष व्रत?

हिंदू पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि का समय इस प्रकार है।

त्रयोदशी तिथि का प्रारंभः

2 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को दोपहर 3 बजकर 57 मिनट पर।

त्रयोदशी तिथि का समापनः

3 दिसंबर 2025 (बुधवार) को दोपहर 12 बजकर 25 मिनट पर। प्रदोष व्रत की पूजा हमेशा प्रदोष काल में की जाती है। प्रदोष काल सूर्यास्त के बाद और रात्रि से पहले का समय होता है। चूंकि त्रयोदशी तिथि 2 दिसंबर की शाम को प्रदोष काल में व्याप्त रहेगी, इसलिए भौम प्रदोष व्रत 2 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को ही रखा जाएगा।

भौम प्रदोष व्रत की पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। व्रत का संकल्प लें। पूजा के लिए बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल, अक्षत, धूप, दीप, गंगाजल, और मिष्ठान तैयार रखें। प्रदोष काल यानी शाम के समय फिर स्नान करें या हाथ-पैर धोकर शुद्ध हो जाएं। एक चौकी पर भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करें। सबसे पहले शिवलिंग का गंगाजल और कच्चे दूध से अभिषेक करें। शिवलिंग पर बेलपत्र, फूल, भांग, धतूरा आदि अर्पित करें। इसके बाद 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें। प्रदोष व्रत की कथा पढ़ें या सुनें। आखिर में भगवान शिव की आरती करें और सभी में प्रसाद वितरित करें।

भौम प्रदोष व्रत का महत्व

जब प्रदोष व्रत मंगलवार के दिन पड़ता है, तो इसे भौम प्रदोष कहा जाता है। 'भौम' शब्द मंगल ग्रह से संबंधित है। मान्यता है कि यह व्रत रखने और भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों को रोगों से मुक्ति मिलती है और स्वास्थ्य लाभ होता है ।यह व्रत विशेष रूप से कर्ज मुक्ति के लिए उत्तम माना जाता है। जिन लोगों की कुंडली में मंगल दोष होता है।

अब खुद कीजिए नाखूनों पर कलाकारी

नेलपॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में मदद करते हैं, लेकिन अब केवल नेलपॉलिश से काम नहीं चलता। नाखूनों पर नेल ऑर्ट स्टाइलिश और ट्रेंडी दोनों दिखती है, लेकिन इसके लिए महंगे नेल आर्टिस्ट के पास जाने या महंगे इक्विपमेंट खरीदने की जरूरत नही है। बस नेलपॉलिश के साथ घर में रखी इन चीजों की मदद से सुंदर नेल आर्ट बनाने में मदद मिलेगी। तो चलिए जानें कैसे घर में रखी चीजों से नेल आर्ट बनाएं।

1. मेकअप ब्लेंडर से नेल आर्ट बनाने के लिए सबसे पहले नाखूनों पर नेल पेंट लगा लें। अब नेल पेंट से कलर कॉम्बीनेशन वाली दूसरी नेल पेंट को ब्लेंडर की टिप पर लगाकर नाखूनों पर टैप करते हुए छोटे गोले बनाएं। अलग-अलग रंग की नेल पेंट से कलरफुल नेल आर्ट भी बना सकती हैं।

2. ईयरबड्स का इस्तेमाल भी आप नेल आर्ट बनाने के लिए कर सकती हैं। नाखूनों पर नेल पेंट लगाएं। अब ईयरबड्स पर किसी दूसरे रंग की नेल पेंट लगाकर नाखूनों पर टेढ़ी-मेढ़ी लाइन बना लें। इससे आपके नाखून काफी सुंदर लगने लगेंगे।

3. टूथपिक का इस्तेमाल भी आप नेल आर्ट बनाने के लिए कर सकती हैं। पहले आधे नाखूनों में नेल पेंट लगाएं। अब स्माइली बनाने के लिए टूथपिक के पिछले हिस्से को दूसरे रंग की नेल पॉलिश में डुबोकर नाखूनों पर दो डॉट बनाएं और टूथपिक के अगले हिस्से से डॉट के नीचे स्माइली बना लें।

4. हेयर पिन से नेल आर्ट बनाने के लिए सबसे पहले नाखूनों पर नेल पेंट लगा लें। अब जिग-जैग वाली हेयर पिन पर दूसरे कलर की नेल पेंट लगाकर किसी भी पैटर्न में नाखूनों पर लगाएं। इससे आपकी नेल आर्ट काफी प्रोफेशनल लगने लगेगी।

5. पेन की रिफिल से नेल आर्ट बनाने के लिए नाखूनों पर ब्लैक या किसी अन्य कलर की नेल पेंट लगाएं। अब सफेद या किसी कॉम्बीनेशन कलर वाली नेलपेंट को रिफिल के कोने पर लगाकर नाखूनों पर अपनी मनपसंद डिजाइन बना लें। डिजाइन आसानी से बन जाएंगे।

स्किन को सही तरीके से करें हाईड्रेट

कड़ाके की सर्दी स्किन का हाल बुरा कर देती है। जिसके कई सारे कारण होते हैं। एक तो ठंडी हवाओं में नमी नहीं होती। दूसरे गर्म पानी से नहाना और फिर शरीर को गर्म करने के लिए हीटर या आग तापना। ये सारी चीजें मिलकर स्किन को बिल्कुल रूखा और बेजान बना देती है। नतीजा स्किन में कई बार खुजली होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि स्किन को सही तरीके से हाईड्रेट किया जाए और तब मॉइश्चराइजर लगाया जाए।

बार-बार लगाना पड़ेगा मॉइश्चराइजर

स्किन जब ज्यादा रूखी रहती है,तो इस पर कुछ देर के बाद ही मॉइश्चराइजर का असर खत्म होने लगता है। ऐसे में हर 4-5 घंटे के अंतराल पर मॉइश्चराइजर लगा लें। इससे स्किन में नमी बनी रहेगी।

पेट्रोलियम जेली बेस्ट मॉइश्चराइजर

स्किन बिल्कुल रूखी और बेजान हो गई है,तो उस पर नॉर्मल मॉइश्चराइजर की बजाय पेट्रोलियम जेली जैसे वैसलीन ज्यादा तेजी से असर दिखाती है।

बेबी ऑयल भी करेगा मदद

अगर आपका मॉइश्चराइजर स्किन पर असर नहीं दिखा रहा है तो बेबी ऑयल को स्किन पर लगाएं। इसमे ज्यादा नरिशमेंट होती है और ये स्किन पर ज्यादा देर तक टिका रहेगा। हमेशा ऑयल बेस्ड मॉइश्चराइजर को ही ठंड के लिए चुनें।

मॉइश्चराइजर लगाने का तरीका

ठंड में नमी की कमी होती है। जब आप गर्म पानी से नहाते हैं तो कुछ ही देर बाद शरीर का पानी सूख जाता है। ऐसे में मॉइश्चराइजर लगाने पर वो स्किन को अंदर तक मॉइश्चराइज नहीं करता केवल स्किन पर मौजूद पानी को लॉक कर देता है। अगर शरीर बिल्कुल सूखा है तो मॉइश्चराइजर का असर बहुत कम होगा। इसलिए हमेशा हल्की गीली स्किन पर ही मॉइश्चराइजर लगा लें। इससे स्किन पर मौजूद पानी को वो लॉक कर लेगा और स्किन ज्यादा देर तक नमी वाली बनी रहेगी और ड्राइनेस, खुजली परेशान नहीं करेगी। डेली रूटीन में मॉइश्चराइजर लगाने के अलावा शहद और दही जैसे नेचुरल मॉइश्चर देने वाली चीजों को भी टाइम-टाइम पर लगाते रहें।

सर्दियों का जादू हर्बल टी

सर्दियों में तमाम तरह की हर्बल टी बनाकर पिएं और इनसे मिलने वाले फायदे उठाएं। ये खासकर इस मौसम के लिए हैं जो हेल्थ के लिए बहुत अच्छी मानी जाती हैं। जानते हैं ईजी रेसिपी। एंड कोल्ड में आराम देता है। किसी से वेट लॉस होता है तो किसी के पीने से पेट साफ होता है। जानते हैं ऐसी ही कुछ हर्बल टी की रेसिपी जो हमारे किचन में ही आसानी से मिलने वाले सामान से बन जाती हैं।

लेमनग्रास एंड जिंजर टी

इसके लिए थोड़ी सी लेमनग्रास ले लें और अदरक को कूटकर उसे पानी में डालकर दोनों को साथ उबालें। इसमें लौंग भी डालें और थोड़ी देर उबालने के बाद छानकर पिएं। अगर टेस्ट बिटर लगे,तो हल्का सा गुड़ डाल लें। ये सर्दियों में गले में बहुत आराम देती है और पेट के लिए भी बेहतरीन होती है।

हनी, लेमन एंड टरमरिक टी

ये चाय सर्दियों का अमृत कही जाती है। इसे बनाने के लिए थोड़ी सी काली मिर्च कूटकर और एक कच्ची हल्दी की गांठ छोटे टुकड़े करके पानी में उबालें। कच्ची हल्दी गर्म होती है। इसलिए मात्रा कम ही लें। थोड़ी देर बाद इसे छान लें और ऊपर से लेमन और हनी मिक्स करके पिएं। ये सर्दी में रामबाण का काम करती हैं।

तुलसी टी

तुलसी टी के जितने फायदे कहे जाएं कम हैं। इसे तो चाय के तौर पर अपनी रेग्यूलर चाय में मिक्स करके या पानी में उबालकर कैसे भी ले सकते हैं। ये इम्यूनिटी तो बढ़ाती ही है साथ ही स्किन के लिए भी बहुत अच्छी होती है। इसकी चाय बनने के लिए एक बाउल में तुलसी की पत्तियां उबालें और छानने के बाद ऊपर से एक चम्मच हनी और नींबू का रस मिलाकर पिएं।

मिंट टी, सिनेमन टी

सिनेमन इतना गर्म होता है कि इसे सर्दी में लेना ही ठीक है। इसके लिए सिनेमन को पानी में उबालें और काली मिर्च भी कूटकर डालें। इसे नीचे उतारकर गुड़ मिलाएं और पी लें। ये वेट लॉस में बहुत फायदा करती है।

पार्टनर के साथ बॉन्ड स्ट्रांग बनाने के टिप्स

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए ही नहीं बल्कि अपने कमजोर होते हुए रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए भी व्यक्ति का खुद पर आत्मविश्वास होना बेहद जरूरी होता है। एक मजबूत आत्मविश्वास वाला व्यक्ति ना सिर्फ पार्टनर के साथ अपना बॉन्ड मजबूत बनाए रखता है,बल्कि उसके साथ अपनी खुशियों का भी पूरा ध्यान रखता है। रिश्ते को भी मजबूत बनाना चाहते हैं,तो पार्टनर के साथ मिलकर फॉलो करें आत्मविश्वास बढ़ाने वाले टिप्स..

अपनी खूबियों को एक दूसरे के साथ शेयर करें-

अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने का सबसे पहला तरीका है, आप खुद अपनी शक्तियों को पहचानकर उनकी सराहना करें। इसके लिए आप अपने पार्टनर के साथ अपनी-अपनी खूबियों की एक लिस्ट बनाकर एक दूसरे के साथ शेयर करें। इस उपाय को आजमाने से आप दोनों को अपने भीतर छिपी खूबियों और क्षमता को पहचानने में मदद मिल सकती है। ऐसा करते हुए आप दोनों एक दूसरे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उसे कोई अच्छा कॉम्प्लीमेंट भी दे सकते हैं।

एक दूसरे के लक्ष्यों को हासिल करने में करें मदद-

अपने साथ अपने पार्टनर का भी आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए हमेशा एक दूसरे के लक्ष्यों का ध्यान रखें। इतना ही नहीं उन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एक दूसरे का पूरा सहयोग भी करें। इसके लिए आप दोनों अपने-अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक लक्ष्यों को एक दूसरे के साथ जरूर शेयर करें। अपने रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए एक-दूसरे की प्रगति का जश्न साथ में मनाएं।

हर दिन कुछ नया करने की कोशिश करें-

आत्मविश्वास को बढ़ाने का एक और तरीका है अपने साथी के साथ मिलकर कुछ नया करने की कोशिश करें। इसमें आप अपनी किसी हॉबी,कुकिंग, ट्रैवलिंग, जैसी चीजों को शामिल कर सकते हैं। ऐसा करने से आपको ना सिर्फ कुछ नया सीखने को मिलेगा,बल्कि व्यक्तिगत विकास के साथ अपने डर और शंका को दूर करने का मौका भी मिलेगा।

बच्चों के मनोभावों को समझना आसान नहीं

कॉम्प्लेक्स इमोशंस

आजकल बच्चे कई तरह के इमोशंस से गुजरते हैं । हमारी पीढ़ी के लोगों की तुलना में आज के बच्चों का जीवन ज्यादा जटिल है। ऐसे में पेरेंट को उनकी भावनाओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। अपने समय से बार-बार तुलना करने से कोई फायदा नहीं होगा। उन्हें अपने मन की बातों को शेयर करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

आजादी

आजकल बच्चे आजादी चाहते हैं। पेरेंट के लिए उन्हें दी जाने वाली आजादी और उनके लिए सीमा तय करने के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता है। अगर आप बच्चों को कुछ करने से रोकना चाहते हैं तो उसका कारण अच्छी तरह से बताना जरूरी है। बच्चों को ऐसा महसूस न कराएं कि आप उनके हर काम और व्यवहार पर नजर रख रहे हैं।

हर बच्चा अलग

हर बच्चा अपने आप में अलग व्यक्तित्व और स्वभाव को होता है। सबसे पहले उसे उसके उसी अंदाज के साथ स्वीकार करें। उन्हें किसी और की तरह दिखने या काम करने के लिए कहने से बचना जरूरी है। अधिकतर पेरेंट अपने बच्चे की यूनिकनेस को इग्नोर कर उसे किसी और की तरह देखना चाहते हैं, ऐसा करना आपके बच्चे को आपसे दूर कर सकता है।

उन्हें भी होता है स्ट्रेस

आजकल बच्चों में स्ट्रेस और एंग्जायटी कॉमन है। अधिकतर पेरेंट बच्चों में शुरु हो चुकी इन परेशानियों को इग्नोर कर देते हैं। बेहतर होगा कि इस बारे में बच्चों से बात करें।

फर्श पर सोने के फायदे

आजकल की लाइफस्टाइल काफी ज्यादा मॉर्डन और फास्ट है। लोगों को मुलायम गद्दों पर सोना काफी ज्यादा पसंद होता है। ज्यादातर लोग बेड पर मोटे से मोटा गद्दा का इस्तेमाल करते हैं। जमीन पर सोना तो अब पुराने ख्याल वाले लोगों की बात हो गई है। आजकल लोग अपने बेड से किसी भी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं है। ऑफिस की थकावट के बाद एक व्यक्ति को लगता है कि कैसे भी अपने घर पहुंचकर चैन की नींद ले। कुछ लोग ऐसे भी हैं,जो इतने ज्यादा आराम के बावजूद काफी ज्यादा पीठ और कमर के दर्द से परेशान रहते हैं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अगर आपके भी शरीर में छोटी-मोटी किसी भी तरह का दर्द है,तो आप जमीन पर सोना शुरू कर दें। आपको हफ्ते के अंदर इससे इतना ज्यादा फायदा मिलेगा जो आप विश्वास भी नहीं कर पाएंगे। भले ही शुरुआत में आपको सोने में बिल्कुल भी आराम नहीं मिलेगा,लेकिन बाद में इसके कई सारे फायदे मिलेंगे। सबसे पहले एक पतली सी चटाई या कारपेट लें। अगर आपको असुविधा हो रही है,तो चटाई पर कोई पतला सा गद्दा बिछा लें। इससे हड्डियों का अलाइनमेंट ठीक रहता है। अगर आपको काफी ज्यादा पीठ में दर्द होता है,तो जमीन पर सोते वक्त पीठ के बल ही सोएं। इससे रीढ़ की हड्डी को काफी ज्यादा आराम मिलेगा। जमीन पर जब आप सोने की आदत बनाते हैं,तो पतले तकिए का ही इस्तेमाल करें । इससे आपकी आदत भी बनेगी और बिना तकिया सोने से सांस लेने की परेशानी भी दूर रहेगी। जमीन पर सोने के लिए मुलायम गद्दे का इस्तेमाल न करें,क्योंकि इससे आपके शरीर में दर्द शुरू हो जाएगी।

रीढ़ की हड्डी रहेगी एकदम ठीक

जमीन पर सोने से रीढ़ की हड्डी में दर्द और अकड़न कम होती है। जब आप गद्देदार गद्दे पर सोते हैं,तो रीढ़ की हड्डी अकड़ जाती है। जिसका सीधा असर दिमाग पर पड़ता है। रीढ़ की हड्डी सेंट्रल नर्वस सिस्टम से जुड़ा हुआ रहता है। इसका सीधा कनेक्शन ब्रेन से जुड़ा हुआ है।

मांसपेशियों को मिलता आराम

जमीन पर सोने से कंधे और कूल्हे में होने वाले दर्द से बहुत आराम मिलता है। इससे पीठ दर्द, कंधा और गर्दन की दर्द में राहत मिलती है।

पीठ दर्द में राहत

जो लोग जमीन पर सोते हैं उनका पोश्चर ठीक रहता है और कमर दर्द भी कम हो जाती है।

शरीर का टेंपरेचर होता है कम

जमीन पर सोने से शरीर का टेंपरेचर हो जाता है कम। वहीं बेड पर सोने से शरीर की गर्मी बढ़ जाती है। जिससे बॉडी का टेंपरेचर बढ़ने लगता है।

ब्लड सर्कुलेशन रहता है ठीक

जमीन पर सोने से ब्लड प्रेशर ठीक रहता है। जिसके कारण मांसपेशियों को आराम मिलता है और तनाव कम हो जाता है।

पत्तेदार हरी सब्जी धोने का सही तरीका

हरी सब्जी में ढेर सारे न्यूट्रिशन होते हैं। इसलिए पत्तेदार सब्जियों को डाइट में खासतौर पर शामिल करने की सलाह दी जाती है। पालक, मेथी, बथुआ, सरसों के पत्तों को सर्दियों में हर घर में खाया जाता है, लेकिन इसे पकाने से पहले तैयारी में काफी वक्त लगता है। सबसे ज्यादा समय इन पत्तेदार सब्जियों की सफाई के लिए जरूरी होता है। अगर इन पत्तेदार सब्जियों को आप जल्दीबाजी में धोकर पका देती हैं। तो जान लें इसे धोने का सही तरीका। जिससे कि ना केवल इसके सारे जरूरी न्यूट्रिश मौजूद रहें बल्कि इसमे मौजूद बैक्टीरिया और पेस्टिसाइड शरीर में ना जाए।

पत्तेदार सब्जियों के जड़ और तने को अलग कर दें

पत्तेदार सब्जियों को मार्केट से लाने के बाद जड़ और तने से अलग कर दें। जिससे आप पत्तियों को आसानी से धो पाएंगी और बेकार की गंदगी पहले ही अलग हो जाएगी।

ठंडे पानी से धोएं

सारी पत्तियों को अलग-अलग करके ठंडे पानी से धोएं। पानी में एक-एक पत्तियों को रगड़कर साफ कर लें। जिससे इन पर जमी मिट्टी हट जाए। हरे साग को धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल ना करें। इससे पत्तियां खराब हो जाएंगी।

फिटकरी या विनेगर में भिगोएं

हरे पत्तेदार सब्जियों को कुछ देर पानी और फिटकरी के सॉल्यूशन में भिगो दें। या फिर पानी और विनेगर के सॉल्यूशन में भिगोएं। इससे पत्तियों पर जमे पेस्टिसाइड आसानी से साफ हो जाएंगे।

अच्छी तरह से पानी सुखा दें

पत्तियों को धोने के पाद पानी को अच्छी तरह से सुखा दें। जिससे साग खराब ना हो और सारे पत्तों के पानी सूख जाएं। इस काम के लिए पेपर टॉवेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। फिर पेपर टॉवेल में ही पत्तों को लपेट कर रख दें।

पत्तेदार सब्जियों को ऐसे करें स्टोर

हरी पत्तेदार सब्जियों की फ्रेशनेस बरकरार रहे इसके लिए उन्हें साफ और सुखाकर किसी प्लास्टिक बैग में रखें। जिसमें हवा जाती रहे और ये फ्रेस बने रहें या फिर पेपर टॉवेल में लपेटकर रखें।

गुड़ की रोटी खाने के फायदे

इम्यूनिटी होगी बूस्ट

सर्दियों में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए गुड़ खाएं। अगर रोटी के साथ गुड़ खाते हैं,तो इससे बॉडी को कई बीमारियों और कई तरह के खराब बैक्टीरिया से बचाने में मदद मिलती है। नियमित तौर पर इसे खाने से इम्यूनिटी बूस्ट होती है।

कब्ज की समस्या होगी दूर

गुड़ में मौजूद पोषक तत्व कब्ज को दूर करने और पाचन तंत्र में सुधार करने में मदद करते हैं। ये आंत को हेल्दी रखने में भी मदद करता है। अगर आपको कब्ज और दूसरी पाचन संबंधी समस्या है,तो छुटकारा पाने के लिए गुड़ की रोटी खाएं।

स्किन के लिए भी फायदेमंद

गुड़ की रोटी खाने से स्किन भी चमकदार रहती है। दरअसल,इसे खाने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स खत्म होते हैं, जो आपकी स्किन से संबंधित सभी समस्याएं को दूर करते हैं।

शुगर लेवर रहेगा कंट्रोल

ब्लड शुगर कंट्रोल करने में ये मददगार साबित हो सकता है। इसके अलावा यह आपकी हड्डियों को मजबूत कर सकता है। हालांकि, अच्छे रिजल्ट के लिए इसे नियमित तौर पर खाना होगा।

कैसे बनती है गुड़ की रोटी

गुड की रोटी बनाने के लिए आटे में पाउडर गुड़, घी और तिल को अच्छे से मिला लें। फिर इसका आटा गूंथ लें। अब इसे रोजाना की रोटी की तरह बेलकर सेंक लें। रोटी पर घी लगाएं और गर्मा-गरम खाएं।

स्वप्न के रहस्य से जुड़ा बिरझापुर का शनि मंदिर

यहां महिलायें भी करती है पूजा अर्चना, शनि साधिका के संकल्प से हुई मंदिर की स्थापना

लोकतंत्र प्रहरी। दुर्ग जिले के धमधा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम बिरझापुर के तीर्थ शनि मंदिर की कथा बड़ी ही रोचक है।जिसके बारे में कहा जाता है कि,एक शनि साधिका को अक्सर सपने में एक काली शिला दिखाई देती थी लेकिन इस संकेत को वो समझ नहीं पा रही थी कि इस शिला के दिखाई देने का क्या महत्व है एक दिन शनि दर्शन पाने को वो प्राचीन शनि मंदिर में पहुंची और यहां वहां देखते हुवे उनकी नजर दीवार पर लगी शिंगणापुर के शनि मंदिर की तस्वीर पर पड़ी जिसे देखते ही स्वप्न का रहस्य व शनि देव का संकेत उन्हें समझ आ गया और शनि साधिका महाराष्ट्र के शिंगणापुर में स्थित शनि मंदिर पहुंची। लेकिन वहां पहुंचने के बाद भी शनि पूजा की अभिलाषा अधूरी ही रह गई।तभी उन्होंने शनि मंदिर की स्थापना का संकल्प लिया।

दरअसल शिंगणापुर के शनि मंदिर में महिलाओं का प्रवेश वर्जित है जिसके पीछे ऐसा कहा जाता है कि शनि देव की पत्नी माता नीलादेवी ने शनि देव को आंखों से ही देख लिया था, जिससे वे गर्भवती हो गई। लेकिन शनि देव ने उन्हें आंखों से देखना बंद कर दिया, जिससे उनके गर्भ में पल रहे बच्चे को खतरा हो गया। इस कारण माता नीलादेवी ने शनि देव को श्राप दिया कि जो भी स्त्री उनकी पूजा करेगी, वह अशुभ फल पाएगी।यही वजह है कि शिंगणापुर के शनि मंदिर में शिला के समीप महिलाओं को प्रवेश नहीं दिया जाता शनि दर्शन से वंचित हुई शनि साधिका विभा श्री ने संकल्प लिया कि उनके द्वारा निर्मित किए जाने वाले मंदिर में सनातन धर्म का पालन करते हुवे सभी को

प्रवेश दिया जाएगा । शनि साधिका विभा श्री का यह संकल्प 1987 को पूर्ण पूर्ण हुआ जब बिरझापुर के तीर्थ शनि मंदिर की स्थापना हुई।

इस विषय पर लोकतंत्र प्रहरी से चर्चा करते हुए पंडित रवि शर्मा ने बताया कि, भगवान शनि देव की शिला खुले आसमान के नीचे रहने की भी अपनी ही कथा है शनि देव भगवान सूर्य और छाया के पुत्र हैं, और उनकी माता छाया ने, उन्हें धूप से बचाने के लिए हमेशा अपने साथ रखा था। इस कारण शनि देव का रंग काला पड़ गया शनि देव की शिला काले रंग की होने का एक अन्य कारण यह भी है कि काला रंग शक्ति और ऊर्जा का प्रतीक है, और शनि देव को शक्ति और ऊर्जा के देव के रूप में पूजा जाता है।बिरझापुर के तीर्थ शनि मंदिर में शनि देव के साथ राहु केतु भी, शिला स्वरूप में विराजित है शनि देव को तेल, तिल और काले चावल चढ़ाकर पूजा जाता है ऐसा माना जाता है कि इन तीनों वस्तुओं को मिलाकर शनि देव की पूजा करने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है, और जीवन में सुख-समृद्धि और शांति आती है।

आपको बता दें,बिरझापुर शनि मंदिर एक ऐसा मंदिर है जहां महिला और पुरुष संयुक्त रूप से पूजा में हिस्सा लेते है जो इसे अन्य शनि मंदिरों से अलग बनाता है बिरझापुर शनि मंदिर में शनि दोष , शनि की साढ़ेसाती, और ग्रह दोषों से मुक्ति के लिए भी विशेष पूजा की जाती है यही वजह है कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों से लोग शनि की विशेष कृपा पाने यहां आते है।

राशन कार्ड अभिलेख में सुधार करने दिया आवेदन, ग्राम डुंडेरा के किसानों ने अधिग्रहित भूमि का मुआवजा राशि प्रदान कराने जनदर्शन में लगाई गुहार

जाति प्रमाण पत्र नही बनने की शिकायत, जनदर्शन में प्राप्त हुए 105 आवेदन

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा एवं उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित 105 आवेदन प्राप्त हुए। इसी कड़ी में सुपेला भिलाई निवासी ने अपने बी.पी.एल. राशन कार्ड से पुत्र का नाम हटाने हेतु आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि

उनके पुत्र का वर्ष 2024 को निधन हो गया है। आवेदिका ने राशन कार्ड अभिलेख में सुधार कर नाम विलोपित करने और कार्ड को पुनः संचालित करने की मांग की है। इस पर कलेक्टर ने खाद्य अधिकारी को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम डुन्डेरा के छह किसानों ने अपनी अधिग्रहित भूमि का मुआवजा राशि प्रदान करने आवेदन दिया। कृषकों ने बताया कि ग्राम डुन्डेरा में उनकी निजी भूमि स्थित है, जिसके कुछ भाग पर लोक निर्माण विभाग द्वारा जिले के बस स्टैण्ड उतई-डुगरडीह-डुन्डेरा-गोरिद-सोमनी मार्ग पर सड़क निर्माण हेतु भूमि को अधिग्रहित की गई थी। मुआवजा आदेश जारी होने के बावजूद आज तक किसानों को राशि प्रदान नहीं की गई है। किसानों ने बताया कि भूमि अधिग्रहित हो चुकी है, लेकिन मुआवजा न मिलने से आर्थिक संकट पैदा हो गया है। इस पर कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग को परीक्षण कर नियमानुसार कार्यवाही करने को कहा। ग्राम बेलोदी पाटन निवासियों ने अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों का जाति प्रमाण पत्र नही बनने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वे 10-12 पीढ़ियों से छत्तीसगढ़ में निवास कर रहे हैं, लेकिन गरीबी, अशिक्षा और पुराने दस्तावेज़ों के अभाव के कारण उनके बच्चों के जाति प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे। लोक सेवा केंद्र भी रिकॉर्ड की कमी के कारण फॉर्म स्वीकार नहीं कर रहे। पूर्व में ग्रामसभा रिकॉर्ड के आधार पर प्रमाण पत्र बनते थे, लेकिन अब यह प्रक्रिया बंद है। समुदाय ने ग्रामसभा रिकॉर्ड के आधार पर जाति प्रमाण पत्र पुनः जारी करने की मांग की है। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम पाटन को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने पुलगांव, सेवती, बोरई, बिरेझर, सलोनी और चारभांठा स्कूल का किया आकस्मिक निरीक्षण

विद्यार्थियों से चर्चा कर स्कूल में पढ़ाई की ली जानकारी

दुर्ग। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधी एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव आज दुर्ग जिले में ग्राम पुलगांव, सेवती और बोरई तथा राजनांदगांव जिले के बिरेझर, सलोनी एवं चारभांठा स्थित शासकीय विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यार्थियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी पढ़ाई, आवश्यकताओं और सीखने के अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालयों में विद्यार्थियों व शिक्षकों की उपस्थिति, परिसर की स्वच्छता तथा उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों की स्थिति की गंभीरतापूर्वक समीक्षा की। स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय चारभांठा में स्मार्ट क्लास के माध्यम से संचालित शिक्षण व्यवस्था का फीडबैक लिया और शिक्षा की गुणवत्ता में और अधिक सुधार के

लिए आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय स्टाफ को बच्चों का प्रैक्टिकल एवं निर्धारित पाठ्यक्रम समय पर पूर्ण कर आगामी परीक्षाओं की उत्कृष्ट तैयारी कराने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है। स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने दुर्ग जिले के ग्राम बड़े बिरेझर में धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया और वहां उपस्थित किसानों से रू-ब-रू चर्चा कर धान खरीदी के संबंध में उनसे विचार साझा किये। इस दौरान किसानों से बारदाना की उपलब्धता, टोकन की स्थिति तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने समिति प्रबंधक को धान खरीदी एवं उठाव और अन्य व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं पारदर्शी रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

सर्द मौसम

दुर्ग भिलाई में फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है, लेकिन उत्तरी हवाओं के प्रभाव से रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। अगले कुछ दिनों में सुबह और शाम के समय ठंड का अहसास बढ़ने की संभावना है, हालांकि दिन का तापमान सामान्य रहेगा। मंगलवार को ठंड की शाम गांव में ली गई तस्वीर।

(फोटो : नाहीद शेख)

भारतीय ज्ञान परंपरा के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन की सततता विषय पर कार्यशाला संपन्न

दुर्ग। शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी में आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के अंतर्गत समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र और अर्थशास्त्र के संयुक्त तत्वाधान में विगत 26 एवं 27 नवंबर 2025 को भारतीय ज्ञान परंपरा के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक जीवन की सततता विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अमरनाथ शर्मा ने कार्यशाला के विषय की उपयोगिता एवं अतिथियों का परिचय दिया अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नुसरत जहां एवं डॉ. भारती साहू द्वारा किया गया। संपूर्ण कार्यशाला का संचालन डॉ. कृष्ण कुमार पटेल ने किया कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे । कार्यशाला के प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. के पद्मावती विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र शासकीय व्ही. वाय. टी. पी. जी. महाविद्यालय दुर्ग ने भारतीय ज्ञान परंपरा और अर्थव्यवस्था में वैदिक काल से

वर्तमान युग तक के समायोजन की जानकारी प्रतिभागियों को दी द्वितीय सत्र में डॉ. शकील हुसैन विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान शासकीय व्ही. वाय. टी. पी. जी. महाविद्यालय दुर्ग ने कार्यशाला के विषय की महत्व को बतलाते हुए कहा कि जीवन में सफलता का अर्थ उपलब्ध संसाधनों का इस प्रकार उपयोग किया जाना है कि वर्तमान की आवश्यकता पूरी होने के साथ ही साथ भविष्य के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना है। कार्यशाला का द्वितीय दिवस भारतीय ज्ञान परंपरा और प्राकृतिक चिकित्सा को समर्पित था जिसने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी छत्तीसगढ़ शाखा से राज्य संयोजक मनोज ठाकरे सह संयोजक डॉ. निर्मला गुप्ता नाड़ी वैद्य डॉ. गणेश पांडे , योग एवं प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. प्रमोद नामदेव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में डॉ. गणेश पांडे ने बताया की नई चिकित्सा ज्ञान भारतीय ज्ञान परंपरा में सदियों से चली आ रही है जिसमें नाड़ी ज्ञान के आधार पर शारीरिक विकारों की जानकारी प्राप्त की जाती है तथा बताए कि हमारी रसोई घर ही औषधीयों का केंद्र है। डॉ. मनोज ठाकरे ने बताएं कि वर्तमान युग में अधिकांश बीमारियों की वजह खान-पान की अनियमिता एवं स्वास्थ्य पर भोजन का उपभोग है सही भोजन एवं उचित मात्रा में जल के सेवन से हम सभी अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त कर सकते हैं।

ऑनलाइन टोकन ने दिलाया भीखमलाल को उनकी मेहनत का फल

दुर्ग। जिले के कुर्मीगुंडरा गांव के किसान भीखमलाल वर्मा हर साल की तरह इस बार भी अपनी खेती की मेहनत के साथ खरीदी केन्द्र की ओर उम्मीद से देख रहे हैं। साल भर खेत में धूप, बारिश का डर और कीचड़ भरे खेतों में घंटो खड़े होकर मेहनत करने वाले भीखमलाल के लिए धान खरीदी का सीजन किसी त्यौहार से कम नही है। धान खरीदी प्रत्येक किसान के लिए त्यौहार जैसा ही होता है क्योकि इसी पर उनके परिवार का पूरा साल निर्भर रहता है। किसान भीखमलाल वर्मा ने ऑनलाइन टोकन कटवाकर उपार्जन केन्द्र कुर्मीगुण्डरा खरीदी केन्द्र पहुंचे। भीखमलाल वर्मा अपने हाथों में टोकन लेकर चैन की सांस ली क्योंकि उनके मेहनत का धान सुरक्षित तौला जाएगा। उनका धान का रकबा 2.38 हेक्टेयर है। दो टोकन जारी होने के बाद कुल 123 क्विंटल धान बेचा गया। जब वह टोकन लेकर उपार्जन केन्द्र पहुँचे, तो भीखमलाल के चेहरे पर मुस्कान आ गई। उन्होंने मन ही मन कहा कि अब काम जल्दी हो जाएगा। एक टोकन ही उन्हें मेहनत की कीमत दिलाएगा। मेहनत का हर दाना घर की जरूरतें, बच्चों की पढ़ाई और पूरे साल का खर्चे को पूरा करेंगे।

मासूम पर टूटी थी नशे में धुत शिक्षक की हैवानियतः आरोपी शिक्षक उदय यादव जेल दाखिल

रामानुजगंज । जिले के त्रिकुण्डा थाना क्षेत्र में दो दिन पहले सामने आई मासूम बच्चे की पिटाई की घटना ने पूरे इलाके को हिला दिया था। अब इसी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी शिक्षक उदय कुमार यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। घटना 28 नवंबर की है। सरकारी प्राथमिक शाला जवाखाडी में कक्षा दूसरी में पढ़ने वाला सात वर्षीय भागीरथी यादव स्कूल से घर लौटा तो उसके दोनों गाल बुरी तरह सूजे हुए थे,आंखों में खून उतर आया था और बुखार से हालत नाजुक थी। पिता धनंजय यादव के पूछने पर बच्चे ने जो खुलासा किया, वह बेहद चौंकाने वाला था। बच्चे के मुताबिक,टिफिन के बाद पढ़ाने आए शिक्षक उदय यादव शराब के नशे में थे। गिनती न बता पाने पर उन्होंने न सिर्फ गाली-गलौज की,बल्कि मासूम के साथ निर्ममता से मारपीट की। परिवार ने तुरंत थाना त्रिकुण्डा पहुंचकर लिखित शिकायत दी। शिकायत पर पुलिस ने

दो दिन पहले ही आरोपी पर धारा 296, 115(2) बीएनएस और किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 75, 82 के तहत गंभीर अपराध कायम किया गया। मामला दर्ज होने के बाद शिक्षक उदय कुमार यादव गांव से गायब हो गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में चौकसी और दबिश बढ़ाई गई। दो दिन की लगातार तलाश के बाद पुलिस ने आज आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपों की पुष्टि होने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया गया। जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

इंद्रजीत सिंह 'छोटू' को सामाजिक सेवा के लिए गुरुनानक इंग्लिश सीनियर सेकेंड्री स्कूल, सेक्टर 6 भिलाई के वार्षिक उत्सव में किया गया सम्मानित

भिलाई। गुरुनानक इंग्लिश सीनियर सेकेंड्री स्कूल, सेक्टर-6, भिलाई में आयोजित भव्य वार्षिक उत्सव समारोह में यूथ सिख सेवा समिति एवं सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने मुख्य अतिथि के रूप में विशेष उपस्थिति दर्ज कराई। समाज के उत्थान, मानवता सेवा, युवा जागरूकता और जनहित के लिए उनके निरंतर किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए विद्यालय प्रबंधन द्वारा उन्हें मंच पर सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित समस्त दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका अभिनंदन किया। अपने प्रेरक अभिभाषण में उन्होंने कहा कि–बच्चों की वास्तविक प्रतिभा तभी निखरती है, जब वे पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक, रचनात्मक एवं खेल-गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं। उन्होंने अभिभावकों

से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों पर विश्वास रखें, उनके सपनों को उड़ान दें और नए अवसरों को आज़माने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि वे भविष्य में न सिर्फ शिक्षित बल्कि मजबूत व्यक्तित्व वाले नागरिक बन सकें। इस गरिमामयी समारोह में विद्यालय परिवार, छात्र-छात्राएँ, अभिभावक, शिक्षक-शिक्षिकाएँ सहित यूथ सिख सेवा समिति एवं सर्व समाज कल्याण समिति के सदस्य एवं पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन के प्रति प्रेषित किया आभार-अंत में इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने विद्यालय प्रबंधन समिति का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि– सम्मान हमें समाज के प्रति और अधिक जिम्मेदारी व सेवाभाव के लिए प्रेरित करता है। मैं सदैव जनसेवा के लिए समर्पित रहूंगा।

दुर्ग में बिना अनुमति चक्काजाम, 5 को हुई जेल,फरार आरोपियों की तलाश

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के पटेल चौक, बीएसएनएल कार्यालय के सामने मुख्य मार्ग को अवरुद्ध कर उग्र प्रदर्शन करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रदर्शनकारियों पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करने, शासकीय कार्य में बाधा डालने और आवागमन रोकने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, घटना 1 दिसंबर सोमवार को हुई जब पुलिस बल कानून व्यवस्था की ड्यूटी पर तैनात था। प्रदर्शनकारियों ने अचानक रोड जाम कर दिया। जब पुलिस स्टाफ ने उन्हें समझाने और व्यवस्था बहाल करने का प्रयास किया, तो प्रदर्शनकारी उग्र हो गए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ झूमाझटकी की, जिससे कुछ जवानों को चोटें आईं।

इस मामले में सिटी कोतवाली थाना दुर्ग में अपराध क्रमांक 609/2025 के तहत संबंधित

धाराओं में मामला पंजीबद्ध किया गया। जांच के दौरान मामले की गंभीरता को देखते हुए कुछ अतिरिक्त धाराएं भी जोड़ी गईं।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रकरण के 05 नामजद आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम:

अनिल वासनिक (43 वर्ष), निवासी अम्बेडकर नगर, दुर्ग

विक्की चंद्राकर (32 वर्ष), निवासी शीतला नगर, दुर्ग

दिनेश पाण्डेय (35 वर्ष), निवासी गयानगर, दुर्ग

राकेश यादव (38 वर्ष), निवासी गयानगर, दुर्ग

जितेन्द्र बत्रा (41 वर्ष), निवासी सिंधी कॉलोनी स्टेशन रोड, दुर्ग

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com